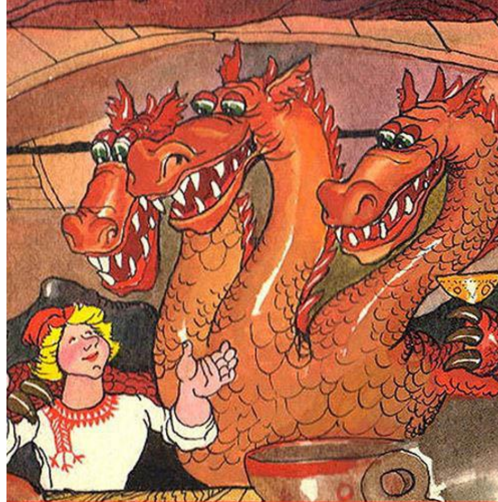


रूसी परी कथा

इवान - उम्र में कम, बुद्धि में तेज़

चित्र: एन. गुज़, हिंदी: अरविन्द गुप्ता



एक बार की बात है, एक बूढ़ा आदमी और उसकी पत्नी रहते थे. बूढ़ा आदमी जानवरों के साथ-साथ जंगली मुर्गों का भी शिकार करता था, और इसी पर उस दंपत्ति का घरबार चलता था. वे कई साल तक जीवित रहे, लेकिन वे हमेशा की तरह हमेशा गरीब रहे. उससे बुढ़िया बड़ी दुखी हुई.

"हमारी ज़िंदगी कितनी ख़राब बीती है," उसने बार-बार कहा. "हमें कभी खाने-पीने के लिए कोई अच्छी चीज़ नहीं मिली, पहनने के लिए कभी कोई बढ़िया पोशाक नहीं मिली. और हमारे कोई बच्चे भी नहीं हैं. बुढ़ापे में हमारी देखभाल करने वाला भी कोई नहीं है."



"दुःख मत हो, बूढ़ी औरत," बूढ़े व्यक्ति ने अपनी पत्नी को शांत किया. "देखो जब तक काम करने के लिए मेरे दोनों हाथ हैं और भार उठाने के लिए मेरे दोनों पैर हैं, तब तक हमारे पास खाने की कमी नहीं होगी. और देखो, भविष्य को अपना ख्याल खुद रखने दो."

बूढ़े ने यह कहा और फिर वो शिकार करने चला गया.

सुबह से रात तक बूढ़ा आदमी जंगल में घूमता रहा, लेकिन वो एक भी पक्षी या जानवर पकड़ या मार नहीं पाया. उसे खाली हाथ घर जाना पसंद नहीं आया, लेकिन वो बिचारा क्या कर सकता था? सूरज डूब रहा था, और उसके घर जाने का समय हो गया था!

वो वापस लौटा ही था कि तभी उसे पंखों के फड़फड़ाने की आवाज सुनाई दी और पास की झाड़ियों में से एक अद्भुत सुंदरता वाला पक्षी उड़कर निकला.



लेकिन जब तक उसने निशाना साधा, वो पक्षी जा चुका था.

बूढ़े आदमी ने आह भरते हुए कहा, "मैं कितना अभागा शिकारी हूं." फिर उसने झाड़ी के नीचे झांका जहां पक्षी था, और वहां उसके घोंसले में तैंतीस अंडे थे.

बूढ़े ने कहा, ''कुछ न मिलने से तो यही बेहतर है.''



उसने अपनी बेल्ट कस ली और सभी तैंतीस अंडों को अपने कमरबंद के अंदर रखकर घर चल दिया.

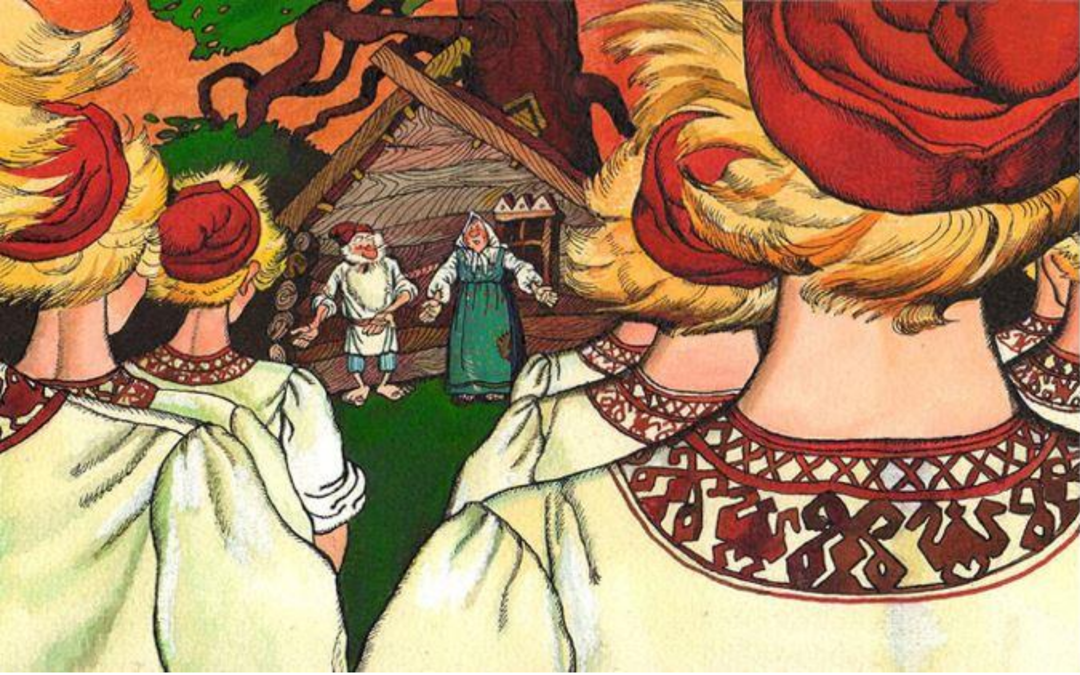
वो चलता रहा लेकिन उसकी बेल्ट ढीली हो गई और उसमें से एक-एक करके अंडे बाहर गिरने लगे.

जब एक अंडा नीचे गिरा, तो उसमें एक लड़का उछलकर बाहर आया. फिर एक और अंडा नीचे गिरा, और उसमें से भी एक और लड़का बाहर कूदा. इस तरह बत्तीस अंडे गिरे, और उनमें से बत्तीस लड़के उछलकर बाहर निकले.

लेकिन तभी बूढ़े आदमी ने अपनी बेल्ट कस कर खींची, और फिर एक अंडा - तैंतीसवां - वहीं पर था. जब बूढ़े आदमी ने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ: बत्तीस हट्टे-कट्टे लड़के उसके पीछे-पीछे चल रहे थे, वे सभी एक ही कद के थे. वे एक मटर की फली के दानों के समान लग रहे थे. और वे सब एक ही स्वर में बोले:

"चूंकि आपने हमें पा लिया है इसलिए आप हमें अपने घर ले जा सकते हैं. अब आप हमारे पिता हैं और हम आपके पुत्र हैं."

"यह मेरे और मेरी बूढ़ी पत्नी के लिए कितना भाग्यशाली दिन है!" बूढ़े ने सोचा. "इतने सालों में हमारा एक भी बच्चा नहीं हुआ, और अब - एक ही झटके में बत्तीस बेटे हो गए."



वे घर आए, और बूढ़े ने कहा.

"देखो तुम इन सभी सालों में बच्चों के लिए रोती रही हो, बूढ़ी औरत? अच्छा, अब मैं तुम्हारे लिए बत्तीस बेटे लाया हूं, सभी हट्टे-कट्टे लड़के भी. अब मेज लगाओ और उन्हें खाना खिलाओ."

फिर बूढ़े ने अपनी पत्नी को बताया कि उसने उन्हें कैसे पाया था.



बुढ़िया स्तब्ध खड़ी रही और वो एक शब्द भी नहीं बोल पाई. इस प्रकार वो कुछ देर रुकी और फिर एक गहरी सांस खींचकर वो मेज़ लगाने के लिए दौड़ी. तभी बूढ़े आदमी ने अपनी बेल्ट खोली. वो अपना कमरबंद उतारने ही वाला था कि तैंतीसवां अंडा नीचे गिरा और उसमें से एक तैंतीसवां लड़का उछलकर बाहर निकला.

"क्यों, तुम कहां से आये हो?"

"मैं इवान हूं, आपका सबसे छोटा बेटा."

फिर बूढ़े आदमी को याद आया कि उसे सच में घोंसले में तैंतीस अंडे मिले थे.

"अच्छा, फिर, इवान, तुम भी खाना खाने बैठ जाओ."

जैसे ही तैंतीस लड़के खाना खाने बैठे. वे बुढ़िया के घर का सारा भोजन सफाचट्ट कर गए. लेकिन जब वे मेज़ उठे तो न तो वे भूखे थे और न ही उनका पेट भरा था.



वे पूरी रात सोते रहे और अगली सुबह इवान ने अपने भाइयों से कहा:

"अब हमने अपना घर ढूंढ लिया है, भाइयों. पिताजी, अब आप हमें कुछ काम करने को दें."

"मैं तुम्हें किस तरह का काम दूं, लड़कों? मेरी बूढ़ी पत्नी और मैंने अपने जीवन में कभी भी जुताई या बुआई नहीं की है, क्योंकि हमारे पास कभी घोड़ा या हल नहीं था."

"ठीक है, यदि आपने जो नहीं किया है वो आपने नहीं किया, और उसके बारे में अब और कुछ नहीं किया जा सकता है," इवान ने कहा. "फिर हमें काम ढूंढने के लिए दूसरे लोगों के पास जाना होगा. अब आप लोहार के पास जायें, पिताजी, और उससे हमारे लिए तैंतीस हंसिए बनवाकर लाएं."

अब जब बूढ़ा आदमी लोहार के पास हंसिए बनवाने गया, तब इवान और उसके भाइयों ने तैंतीस हंसियों के हैंडल और तैंतीस पंजे (रेक) बनाए.

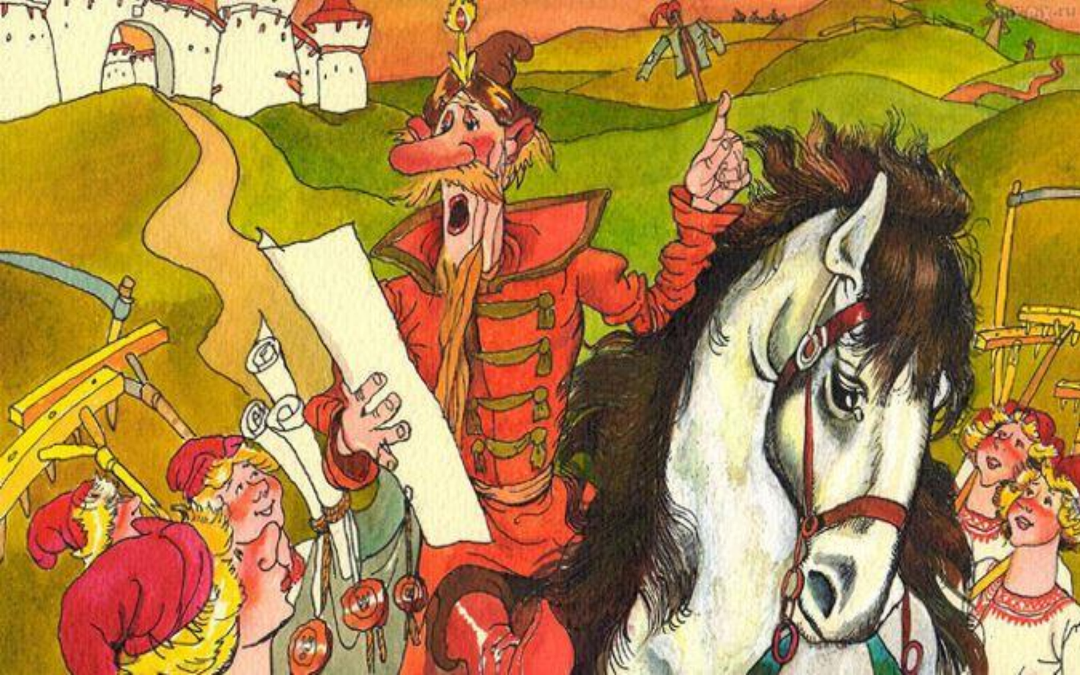
जब पिता लोहार के पास से वापस लौटे, तो इवान ने अपने भाइयों में औजार बांटे और कहा:

"चलो, भाइयों, हम कोई काम ढूंढें और हम इतना पैसा जरूर कमायें कि हम अपना जीवन चला सकें और अपनी बूढ़ी मां और बूढ़े पिता की देखभाल कर सकें."



फिर भाइयों ने अपने माता-पिता को अलविदा कहा और वे चल दिए.

किसी को नहीं पता कि वे लम्बे समय के लिए चले या फिर थोड़े समय के लिए, लेकिन आख़िरकार वो एक बड़े शहर में पहुंचे.



और तभी नगर के बाहर ज़ार का अफसर घोड़े पर सवार होकर आया. वो उनके पास गया और उसने पूछा:

"मेरे लड़कों, तुम कहां जा रहे हो - कहीं काम पर जा रहे हो या फिर काम से वापिस आ रहे हो? अगर तुम्हें काम करना है, तो फिर मेरे पीछे आओ, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए करने के लिए बहुत काम है."

"वो काम क्या है?"

"काम कुछ कठिन नहीं है." अफसर ने उत्तर दिया, "तुम्हें ज़ार के निजी घास के मैदानों में घास काटनी होगी, और फिर घास को सुखाना होगा, उन्हें ढेरों में इकट्ठा करना होगा. तुम्हारे बीच में नेता कौन है?"

किसी ने उत्तर नहीं दिया, इसलिए इवान आगे बढ़ा और कहा:

"हमें वहां ले चलें और हमें काम दिखाएं."



फिर अफसर उन्हें ज़ार के निजी घास के मैदानों में ले गया.

"क्या तुम्हारे लिए काम ख़त्म करने के लिए तीन सप्ताह पर्याप्त होंगे?" अफसर ने पूछा.

"अगर मौसम ठीक रहा, तो फिर हम तीन दिनों में ही वो काम ख़त्म कर देंगे," इवान ने उत्तर दिया.

यह सुनकर ज़ार का अफसर बहुत प्रसन्न हुआ.

"फिर आओ, मेरे लड़कों," उसने कहा, "हां, तुम लोग भोजन और भुगतान के बारे में चिंता मत करना: तुम्हें जो कुछ चाहोगे वो तुम्हें मिलेगा."

इवान ने कहा:

"हमारे लिए तैंतीस बैल भूनें और तैंतीस बाल्टी शराब लाएं और कुछ डबलरोटियां भी. हमें बस इतना ही चाहिए."

ज़ार का अफसर बाहर चला गया. भाइयों ने अपनी दरांतियों की धार तेज की और उन्हें इतनी तीव्रता से चलाया कि दरांतियों से हवा काटते समय सीटी की आवाज़ आने लगी.



काम तेजी से चला और शाम तक सारी घास कट गई. इस बीच ज़ार की रसोई ने खाने का सामान भेज दिया था: तैंतीस भुने हुए बैल, तैंतीस बाल्टी शराब और डबलरोटी. सभी भाइयों ने आधा बैल खाया, आधी बाल्टी शराब पी, डबलरोटी खाई, और फिर वे सब सो गए.

अगले दिन, जब सूरज गर्म हुआ, तो भाइयों ने घास को सुखाया और उसे ढेरों में इकट्ठा किया और शाम तक सबने मिलकर घास का एक बड़ा ढेर बना दिया. और फिर उन में से प्रत्येक ने आधा भुना बैल, डबलरोटी, और आधी बाल्टी शराब पी. उसके बाद इवान ने अपने एक भाई को ज़ार के दरबार में भेजा.

इवान ने कहा, "ज़ार से कहना कि वे हमारा काम देखने के लिए आएं."

वो भाई अफसर के साथ वापस आया, और उसके कुछ ही समय बाद ज़ार स्वयं भी वहां आया.



ज़ार ने सभी घास के ढेरों को गिना और वो अपने घास के मैदानों में घूमा - उसे ज़मीन पर घास का एक तिनका भी खड़ा हुआ नहीं मिला.

"तुमने भूसा अच्छी तरह और बहुत तेज़ी में बनाया है, मेरे लड़कों," ज़ार ने कहा. "इसके लिए मैं तुम्हारी प्रशंसा करता हूं और, इनाम में तुम्हें एक सौ रूबल और चालीस बाल्टी शराब देता हूं. लेकिन एक काम और है जो मैं तुमसे करवाना चाहता हूं. तुम्हें घास की रखवाली करनी होगी. क्योंकि हर साल कोई आता है और मेरी सारी घास खा जाता है, और हमें अभी तक चोर का कोई नामो-निशां तक नहीं मिला है."

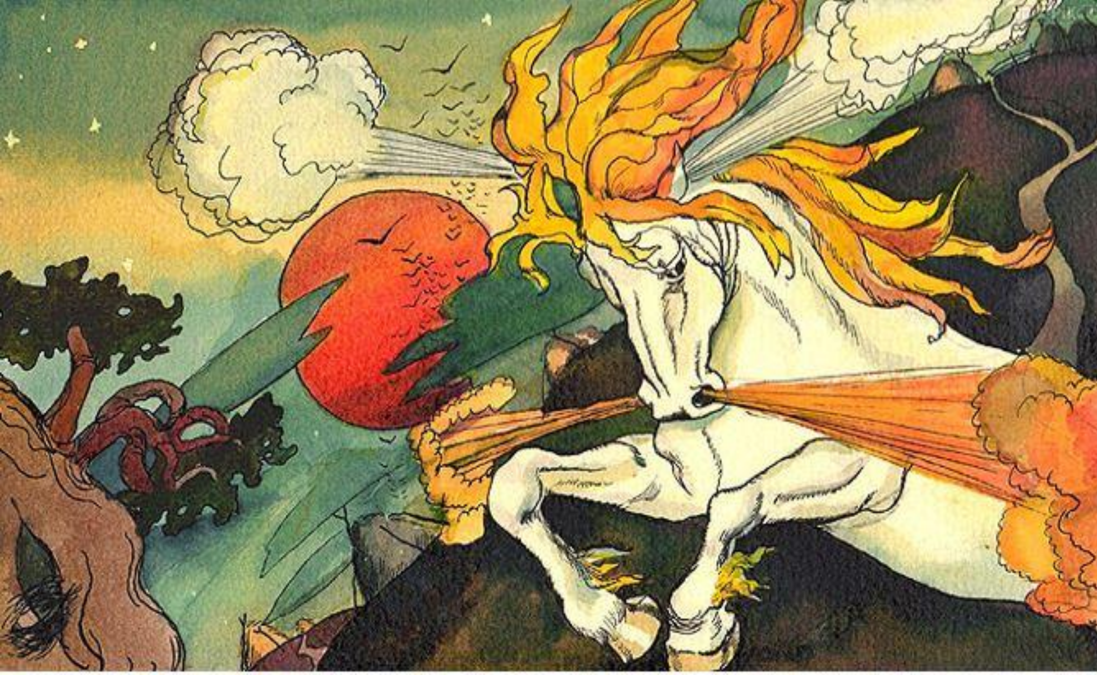


फिर इवान ने उत्तर दिया:

"आप मेरे भाइयों को घर जाने दें. महाराज, मैं अकेले ही आपकी घास की रखवाली करूंगा."

इस पर ज़ार सहमत हो गया. फिर इवान के बत्तीस भाई ज़ार के महल में गए और वहां उन्हें पैसों के साथ-साथ बढ़िया रात्रि भोज और अच्छी शराब भी मिली. और उसके बाद सारे भाई घर चल दिए.

और इवान ज़ार के घास के मैदानों में वापस चला गया. रात में वो जागता रहता था और ज़ार की घास की रखवाली करता था, जबकि दिन में वो खाता-पीता था और ज़ार की रसोई में आराम करता था.



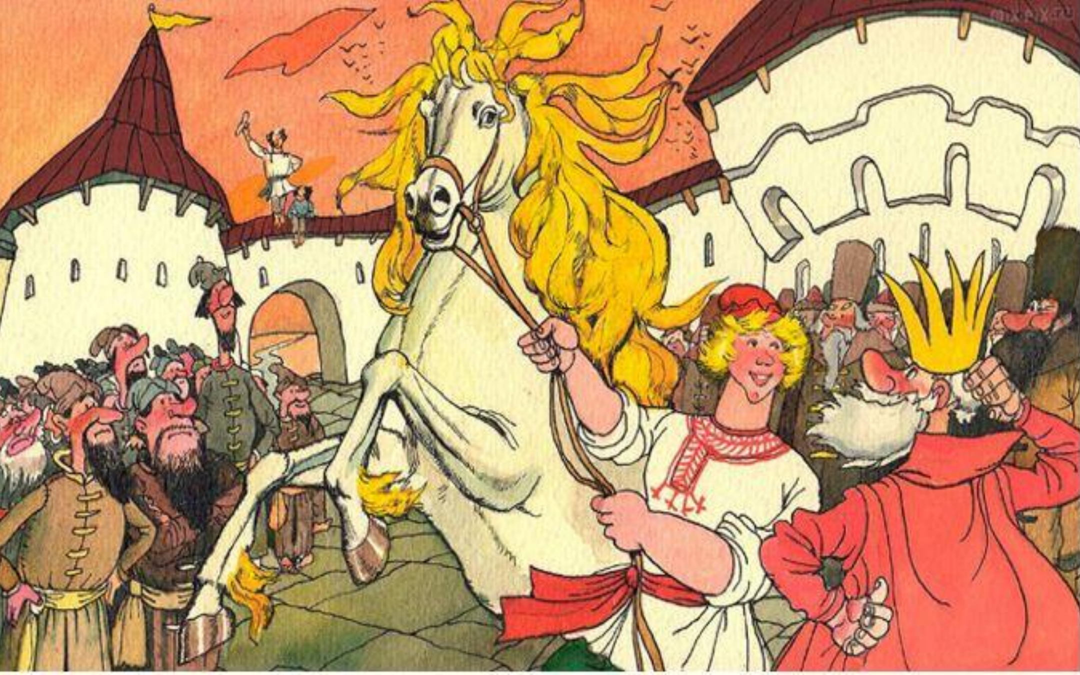
पतझड़ आ गया, जिससे रातें लंबी और अंधेरी हो गईं. एक शाम इवान घास के ढेर की चोटी पर चढ़ गया, वो घास के ढेर में ही लेटा रहा. आधी रात के समय अचानक दिन जैसा उजाला हो गया, मानो सूरज उग आया हो. इवान ने बाहर झांककर देखा और उसे सुनहरी अयाल वाली घोड़ी देखी. वो समुद्र से बाहर निकली और सीधे उसके भूसे के ढेर तक पहुंच गई. उसके खुरों के नीचे की धरती हिलने लगी, उसकी सुनहरी अयाल हवा में बहने लगी, उसके नथुनों से ज्वाला फूट पड़ी और उसके कानों से धुयें के बादल बरसने लगे.



वो घोड़ी घास के ढेर के ऊपर चढ़ी और घास खाने लगी. पर जैसे ही इवान ने मौका मिला वो कूदा और उसने घोड़ी की पीठ पर छलांग लगा दी. घोड़ी ने ढेर छोड़ दिया और वो ज़ार के घास के मैदानों में दौड़ने लगी. लेकिन इवान ने अपने बाएं हाथ से उसकी अयाल को पकड़ लिया, और उसने अपने दाएं हाथ से एक चमड़े का चाबुक पकड़ लिया. उसने घोड़ी को उसके सुनहरे अयाल से मारा और उसे सीधे दलदल और काई में धकेल दिया.

घोड़ी बहुत देर तक दलदल और काई के ऊपर सरपट दौड़ती रही, आख़िरकार वो दलदल में धंस गई. फिर वो रुकी और उसने ये शब्द कहे:

"तुम मुझे पकड़ने में काफी तेज निकले, इवान, और तुम मुझ पर काफी देर तक बैठे रहे, और मुझे वश में करने के लिए काफी चतुर निकले. मुझे अब और मत मारो न ही मुझे चोट मत पहुंचाओ. अब मैं तुम्हारी वफादार सेवक बनूंगी."



फिर इवान उसे ज़ार के आंगन में ले गया और उसे एक अस्तबल में बंद कर दिया. वो खुद ज़ार की रसोई में चला गया और सो गया. सुबह वो ज़ार के पास गया और उसने कहा:

"मुझे पता चल गया है कि आपकी घास किसने चुराई है. महाराज, और मैंने चोर को पकड़ भी लिया है. उसे देखने के लिए चलें."

जब ज़ार ने सुनहरे अयाल वाली घोड़ी को देखा तो वो बहुत प्रसन्न हुआ.

"ठीक है, इवान," उसने कहा, "तुम उम्र में छोटे हो सकते हो, लेकिन बुद्धि में तुम बड़े तेज़ हो. तुम्हारी वफादार सेवा के लिए मैं तुम्हें अपने घोड़ों का प्रमुख सईस बनाता हूं."

और उस समय से लोग इवान को बुलाने लगे - **उम्र में कम, बुद्धि में तेज़**.



इवान ने ज़ार के अस्तबल में अपना कार्यभार संभाल लिया, और उसे ज़ार के घोड़ों की देखभाल करते हुए रात को सोता तक नहीं था. उससे घोड़े दिन-ब-दिन अधिक चिकने होते गए. उनके कोट रेशम की तरह चमकने लगे और उनकी आयल और पूंछे हमेशा अच्छी तरह से सजी और रोयेंदार रहती थीं - जो वास्तव में एक सुखद दृश्य था.

उससे ज़ार बहुत प्रसन्न हुआ लेकिन उन्हें इवान की प्रशंसा करने के लिए पर्याप्त शब्द नहीं मिले.

"बहुत बढ़िया, इवान - उम्र में कम, बुद्धि में तेज़! मुझे अब तक इतना बढ़िया सईस पहले कभी नहीं मिला."

परन्तु पुराने सईस इवान से ईर्ष्या करने लगे और वे कहते लगे:

"हम एक गांव के गधे लड़के के आदेश नहीं मानेंगे. ज़ार को अस्तबल के लिए एक अच्छा मुख्य सईस मिला है!" और फिर वे इवान के विरुद्ध षड़यंत्र रचने लगे. लेकिन इवान अपना काम करता रहा. लेकिन उसे अपने ऊपर मंडरा रहे ख़तरे का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था.



उसी समय एक बूढ़ा शराबी, जो अक्सर शराबखाने में जाता था, ज़ार के अस्तबल में घूमता हुआ आया.

"मुझे एक घूंट शराब पिलाओ, मेरा सिरदर्द ठीक करने के लिए जो मुझे कल रात हुआ था," उसने कहा. "यदि तुमने वैसा किया तो मैं तुम्हें मुख्य सईस से छुटकारा पाने के लिए सही रास्ता बताऊंगा."

अस्तबल वाले बहुत खुश हुए और उन्होंने उसे शराब का एक गिलास दिया.

बूढ़े शराबी ने गिलास खाली किया और कहा:

"ज़ार, खुद बजने वाला वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने बिल्ली को पाने के लिए मर रहा है. कई अच्छे लड़के उन्हें खोजने के लिए गए, लेकिन उनमें से कभी कोई वापस नहीं लौटा. अब तुम ज़ार के पास जाओ और कहो कि ज़ार इवान को - जो उम्र में कम, बुद्धि में तेज़ है को उन्हें पाने के लिए भेजें. वो बिना किसी परेशानी के उन्हें ले आएगा. ज़ार, इवान को जाने को कहेगा, और फिर इवान कभी वापस नहीं लौटकर आएगा."



अस्तबल वालों ने बूढ़े शराबी को धन्यवाद दिया. उन्होंने उसे शराब का दूसरा गिलास भी पिलाया. फिर वे सीधे ज़ार के महल के सामने वाले बरामदे में गए. वे वहां ज़ार की खिड़की के नीचे खड़े होकर गपशप करने लगे. ज़ार ने उन्हें देखा, वो अपने महल से बाहर आया और उसने पूछा:

"तुम किस बारे में बात कर रहे हो? बताओ तुम क्या चाहते हो?"

"ठीक है, महामहिम, यह सिर्फ इतना है कि इवान - जो उम्र में कम, बुद्धि में तेज़ है ने दावा किया है कि वो खुद बजने वाला वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने बिल्ली ला सकता है. यही कारण है कि हम यहां बहस कर रहे हैं; कुछ कहते हैं वो उन्हें ला पाएगा, और दूसरे कहते हैं कि वो नहीं ला सकेगा. अब आप ही बताएं क्या ये सिर्फ खोखले शब्द हैं."

जब ज़ार ने वो बात सुनी, तो उसका चेहरा उतर गया और उसके हाथ कांपने लगे.

"आह," उसने सोचा, "काश मैं उन चमत्कारों को हासिल कर पाता! तब अन्य सभी राजा मुझसे ईर्ष्या करते. मैंने उन्हें लाने के लिए बहुत सारे आदमी भेजे हैं, और उनमें से एक भी वापस नहीं लौटकर आया!"

और उसने सीधे अपने मुख्य सईस को बुलाया.

जैसे ही इवान अंदर आया, ज़ार उसपर चिल्लाया:

"समय बर्बाद मत करो, इवान, तुरंत जाओ और मेरे लिए खुद बजने वाला वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने बिल्ली को लेकर आओ."

फिर इवान - जो उम्र में कम और बुद्धि में तेज़ था ने उत्तर दिया:

"भगवन, मैंने उनके बारे में पहले कभी सुना तक नहीं है. महामहिम! आप बताएं कि मैं कहां जाऊं?"

लेकिन ज़ार ने गुस्से में आकर अपना पैर पटके.

"यह तुम क्या बात कर रहे हो? तुम ज़ार के आदेशों का उल्लंघन कैसे कर सकते हो? तुम तुरंत जाओ. यदि तुम मेरी मांगी चीज़ें लाये तो मैं तुम्हें बढ़िया इनाम दूंगा; यदि नहीं, तो मैं अपनी तलवार से तुम्हारे सिर काट दूंगा!"

इवान - जो उम्र में कम और बुद्धि में तेज़ था भारी दिल और झुके हुए सिर के साथ ज़ार को छोड़कर चला गया. वो अपनी सुनहरे अयाल वाली घोड़ी पर काठी कसने लगा, और तब घोड़ी ने उससे पूछा:

"आप इतने दुखी क्यों हैं, मालिक, क्या कुछ गड़बड़ है?"

"मैं कैसे खुश हो सकता हूं जब ज़ार ने मुझे खुद बजने वाला वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने बिल्ली को लाने का आदेश दिया है, और मैंने उनके बारे में कभी सुना तक नहीं है."



"ठीक है, इसमें चिंता की कोई बात नहीं है," सुनहरी अयाल वाली घोड़ी ने कहा. "मेरी पीठ पर बैठो और फिर हम बूढ़ी जादूगरनी बाबा-यगा के पास जायेंगे और उससे पूछेंगे कि वे चमत्कार हमें कहां मिलेंगे."

फिर इवान - जो उम्र में कम और बुद्धि में तेज़ था अपनी यात्रा के लिए तैयार हुआ और सुनहरी आयल वाली घोड़ी पर चढ़ गया. और वो आखिरी बार था जब लोगों ने उसे देखा. किसी ने भी उसे फाटक से गुज़रते हुए नहीं देखा—क्योंकि वो बहुत तेज़ी से वहां से गुज़रा था.

वो दूर चला गया, उसे देर लगी या वो वहां जल्दी पहुंचा वो कोई नहीं जानता, लेकिन अंत में वो एक घने जंगल में पहुंचा. वहां पर बहुत अंधेरा था, वहां प्रकाश की कोई किरण छनकर नहीं आ रही थी. सुनहरी अयाल वाली घोड़ी थकावट के कारण दुबली हो गई और इवान - जो उम्र में कम और बुद्धि में तेज़ था खुद को एकदम थका हुआ महसूस कर रहा था. लेकिन आख़िरकार वे जंगल में एक घास के मैदान में पहुंचे और वहां उसने मुर्गी के पैरों पर एक छोटी सी झोपड़ी देखी, जिसमें एड़ी के लिए एक धुरी थी.



झोपड़ी पश्चिम से पूर्व की ओर गोल-गोल घूमती रही, और इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था उसके पास आया और बोला:

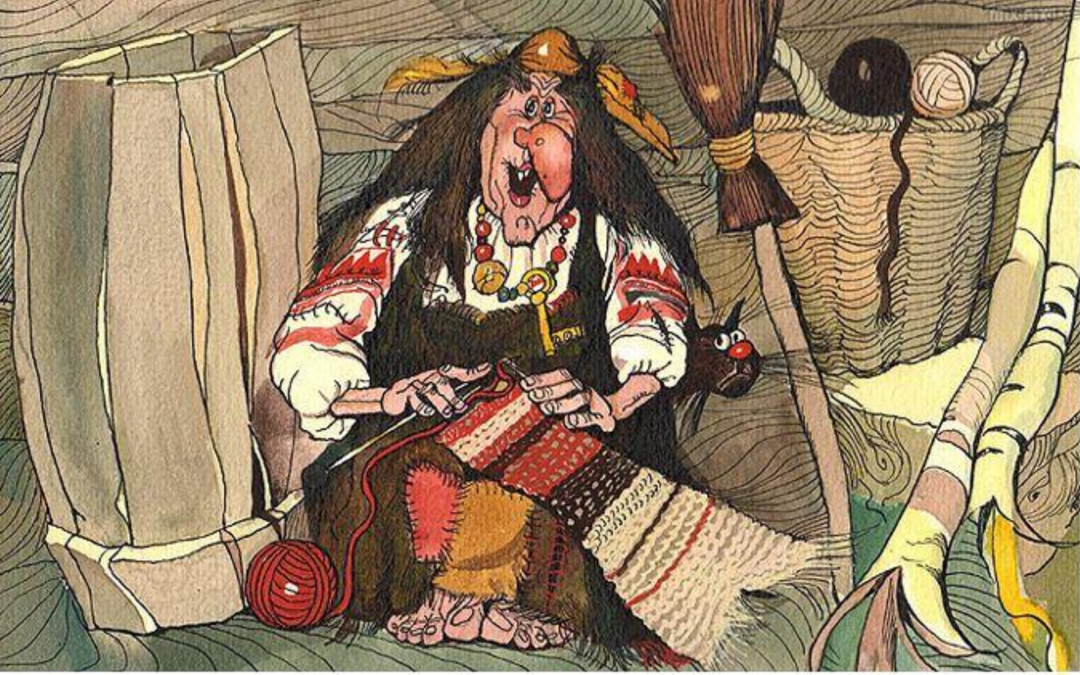
"छोटी झोपड़ी, छोटी झोपड़ी, कृपया अपनी पीठ पेड़ों की ओर और अपना चेहरा मेरी ओर करो."

झोंपड़ी ने अपना मुंह उसकी ओर कर दिया, और इवान ने अपनी घोड़ी को एक खंभे से बांध दिया, ओर फिर उसने झोपड़ी का दरवाज़ा थोड़ा सा धकेल दिया.

और वहां उसे बाबा-यगा के दर्शन हुए. उस चुड़ैल की रोड़े जैसी नाक थी. उसके बगल में उसका मूसल और ओखली पड़ी थी.

बाबा-यगा की नजर अपने मेहमान पर पड़ी और वो चिल्लाई:

"अरे रूसी खून, जो मुझे पहले कभी नहीं मिला, अब मुझे अपने दरवाजे से उसकी गंध आ रही है. यहां कौन आया है? कहां से? और वो कहां जाएगा?"



"क्या आप किसी मेहमान के साथ ऐसा व्यवहार करती हैं, दादी? जब कोई भूखा और ठंडा होता है तो क्या आप उसे अपनी बातों से और परेशान करती हैं! रूस में घरों में वे पहले किसी भी यात्री को खाना-पीना देते हैं और उसे गर्म होने देते हैं, फिर उसे आराम करने देते हैं और नहलाते हैं, और फिर उसके बाद ही सवाल पूछते हैं."

बाबा-यगा को शर्मिंदगी और असुविधा महसूस हुई. "एक बूढ़ी औरत के साथ खिलवाड़ मत करो, मेरे अच्छे लड़के," वो चिल्लाई. "हम रूस में नहीं हैं, वो तुम अच्छी तरह जानते हो. लेकिन मैं जल्द ही चीजों को सही कर दूंगी."

और फिर वो मेज पर खाने-पीने का सामान लेकर इधर-उधर उड़ने लगी. उसने अपने मेहमान का स्वागत किया, और फिर वो स्नानघर में स्टोव गर्म करने के लिए बाहर भागी. फिर इवान - जो उम्र में कम और बुद्धि में तेज़ था ने भाप से खुद को गर्म किया और स्नान किया, और बाबा-यगा ने उसका बिस्तर बनाया और उसे आराम करने के लिए लिटा दिया. फिर वो उसके सिरहाने बैठ गई और पूछा:

"मुझे बताओ कि तुम कहां जा रहे हो, बेटे? क्या तुम अपनी मर्जी से यहां आये हो, या किसी और ने तुम्हें यहां भेजा है?"



"ज़ार ने मुझे खुद बजने वाला वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने बिल्ली को लाने के लिए भेजा है," इवान ने उत्तर दिया, "और मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा, दादी, अगर आप मुझे बताएंगी कि मैं उन्हें कहां ढूंढू."

"मुझे पता है कि वे कहां हैं, मेरे बेटे, लेकिन उन्हें पाना कठिन है. उनको लेने के लिए पहले कई अच्छे लड़के गए, लेकिन उनमें से कोई भी वापस नहीं लौटा."

"ठीक है, दादी, जो होना है वो होकर रहेगा, इसलिए बेहतर होगा कि आप इसमें मेरी मदद ज़रूर करें और मुझे बताएं कि मुझे कहां जाना है."

"आह, ठीक है, मेरे अच्छे लड़के, मुझे तुम पर दया आती है, लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हारी मदद करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकती. अपनी सुनहरे अयाल वाली घोड़ी को यहीं छोड़ दो, वो मेरे साथ सुरक्षित रहेगी, और सूत की इस गेंद को ले लो, और कल, जब तुम बाहर जाओ, तो इसे जमीन पर गिरा देना और वो जहां भी लुढ़के तुम उसका पीछा करना. वो गेंद तुम्हें मेरी बीच वाली बहन के पास ले जाएगी. फिर तुम उसे गेंद दिखाना और वो तुम्हारी हर संभव मदद करेगी और तुम्हें वो सब बताएगी जो वो जानती है. उसके बाद वो तुम्हें हमारी सबसे बड़ी बहन के पास भेज देगी."



अगले दिन बाबा-यगा ने सुबह होने से पहले ही अपने मेहमान को जगाया, और उसे खाना-पीना दिया और उसे विदा किया. और इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था उसने बाबा-यगा को धन्यवाद दिया, विदा ली और फिर अपने रास्ते चल दिया.

यह कहानी बताने में छोटी लेकिन वास्तव में काफी लंबी है, क्योंकि सूत का गोला लगातार लुढ़कता रहा और इवान उसके पीछे-पीछे चलता रहा.

एक दिन बीत गया, और दूसरा, और फिर तीसरा, और फिर सूत की गेंद एक गौरैया के पैर वाली एक छोटी झोपड़ी तक लुढ़ककर गई. वो वहीं पर जाकर रुकी, और फिर इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था ने पुकारा:

"छोटी झोपड़ी, छोटी झोपड़ी, कृपया अपनी पीठ पेड़ों की ओर और अपना चेहरा मेरी ओर करो."



झोपड़ी घूम गई और इवान उसके बरामदे में चला गया. उसने दरवाज़ा खोला, और एक कर्कश आवाज़ में कहा:

"अरे वाह! रूसी खून, जो मुझे पहले कभी नहीं मिला था, अब मुझे अपने दरवाजे से उसकी गंध आ रही है. यहां कौन आया है? कहां से? और वो कहां जा रहा है?"

इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था ने बूढ़ी बाबा-यगा को सूत की गेंद दिखाई, और फिर वो आश्चर्य से चिल्लाई:

"मेरे प्रिय, देखो तुम बिल्कुल भी अजनबी नहीं हो, बल्कि मेरी बहन द्वारा भेजे गए एक स्वागत योग्य अतिथि हो. तुमने तुरंत ऐसा क्यों नहीं कहा?" और फिर वो अपने मेहमान के लिए मेज पर मिठाइयां और पेय लेकर उड़ती रही, और उसका स्वागत करती रही.

"भरपेट खाओ और पियो," उसने कहा, "और आराम करने के लिए लेट जाओ. उसके बाद हम काम के बारे में बात करेंगे."



फिर इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था उसने भरपेट खाया-पिया और फिर वो आराम करने के लिए नीचे लेट गया, जबकि बाबा-यगा, दूसरी जादूगरनी-बहन, उसके बिस्तर के पास बैठ गई और उससे हर चीज के बारे में पूछने लगी. और फिर इवान ने उसे बताया कि वो कौन था, कहां से आया था, और कहां जा रहा था.

बाबा यगा ने कहा:

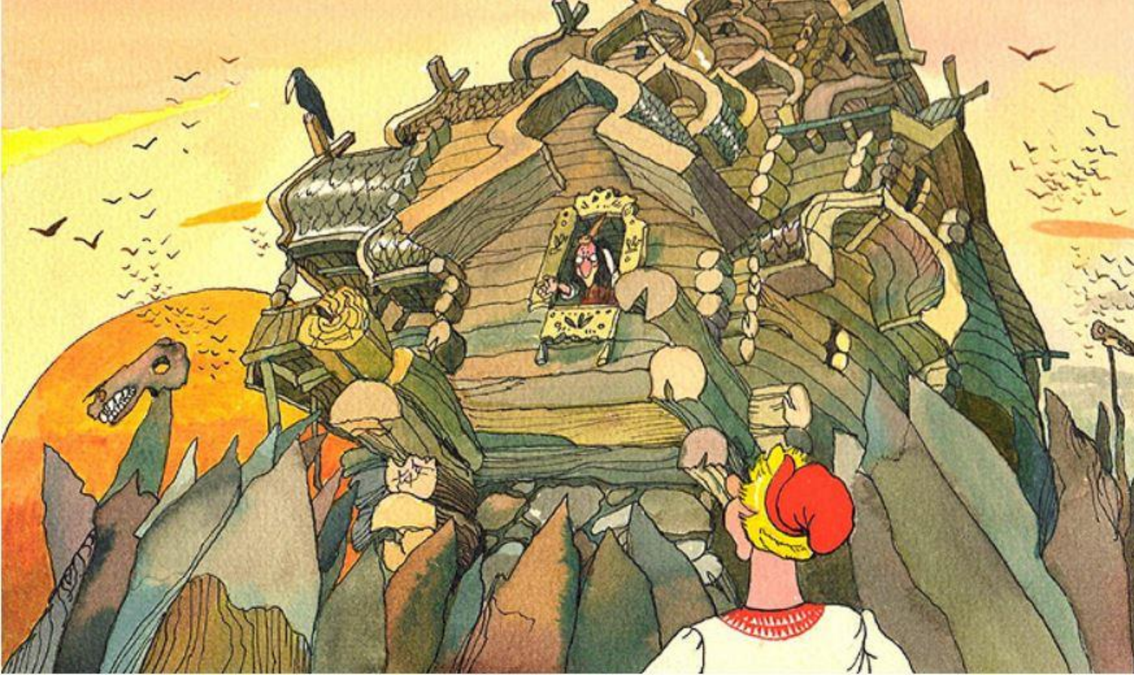
"रास्ता दूर नहीं है, लेकिन मुझे नहीं पता कि तुम वहां पहुंच पाओगे या नहीं. खुद बजने वाला प्राचीन वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने वाली बिल्ली सभी हमारे भतीजे ज़ेमी गोरिनिच, पहाड़ों के ड्रैगन के पास हैं. कई अच्छे लड़के वहां गए, और उनमें से कोई भी कभी वापस नहीं लौटा, क्योंकि वे सभी ड्रैगन का शिकार बन गए. अब, वो ड्रैगन हमारी सबसे बड़ी बहन का बेटा है, और हमें उससे तुम्हारी मदद करने के लिए कहना होगा, नहीं तो तुम कभी भी जीवित वापस नहीं लौटोगे. मुझे पता है कि क्या करना है. मैं उसे सन्देश देने के लिए अपने दूत बुद्धिमान कौवे को भेजूंगी. लेकिन अब तुम सो जाओ, क्योंकि मैं तुम्हें कल जल्दी जगाऊंगी."



फिर इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़, रात को गहरी नींद मे सोया, और सुबह जल्दी उठा, नहाया और बाबा-यगा ने उसके सामने जो कुछ रखा था वो उसने खाया. इसके बाद वो उसे लाल ऊन की एक गेंद देकर रास्ता बताने के लिए बाहर आई और वहीं उसने उससे अलविदा कहा. ऊन का गोला लुढ़कने लगा और इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ - उसके पीछे-पीछे चलने लगा.

वह सूर्योदय से सूर्यास्त तक और सूर्यास्त से भोर तक चलता रहा. जब भी वो थक जाता तो वो ऊन का गोला उठा लेता और आराम करने तथा कुछ खाने के लिए बैठ जाता था. वो रोटी खाता और झरने का पानी पीता, और फिर अपने रास्ते पर चल देता.

तीसरे दिन के अंत तक ऊन का गोला एक बड़े घर में जाकर रुका. वो घर बारह पत्थरों पर बनाया गया था और बारह खंभों पर टिका हुआ था, और वो एक ऊंचे महल से घिरा हुआ था.



एक कुत्ता भौंका, और बाबा-यगा, सबसे बड़ी चुड़ैल-बहन, बरामदे में भागकर आई. उसने कुत्ते को चुप कराया और कहा:

"मैं तुम्हारे बारे में सब कुछ जानती हूं, मेरे प्यारे लड़के. मेरी बहन का दूत बुद्धिमान कौवा यहां आया था. मैं तुम्हारी मदद करने का जरूर कोई तरीका ढूंढूंगी. लेकिन अंदर आओ और कुछ खाओ और पीयो, तुम्हें भूख लगी होगी और तुम्हारे पैरों में दर्द हो रहा होगा."

और चुड़ैल उसे अंदर ले गई और उसे खाना और पानी दिया.

"अब तुम्हें छिपना होगा," उसने कहा. "मेरा बेटा ज़ेमी गोरिनिच जल्द ही आ रहा होगा. जब वो आता है तो वो हमेशा बहुत गुस्से मे और भूखा होता है, इसलिए मुझे डर है कि वह तुम्हें निगल सकता है."



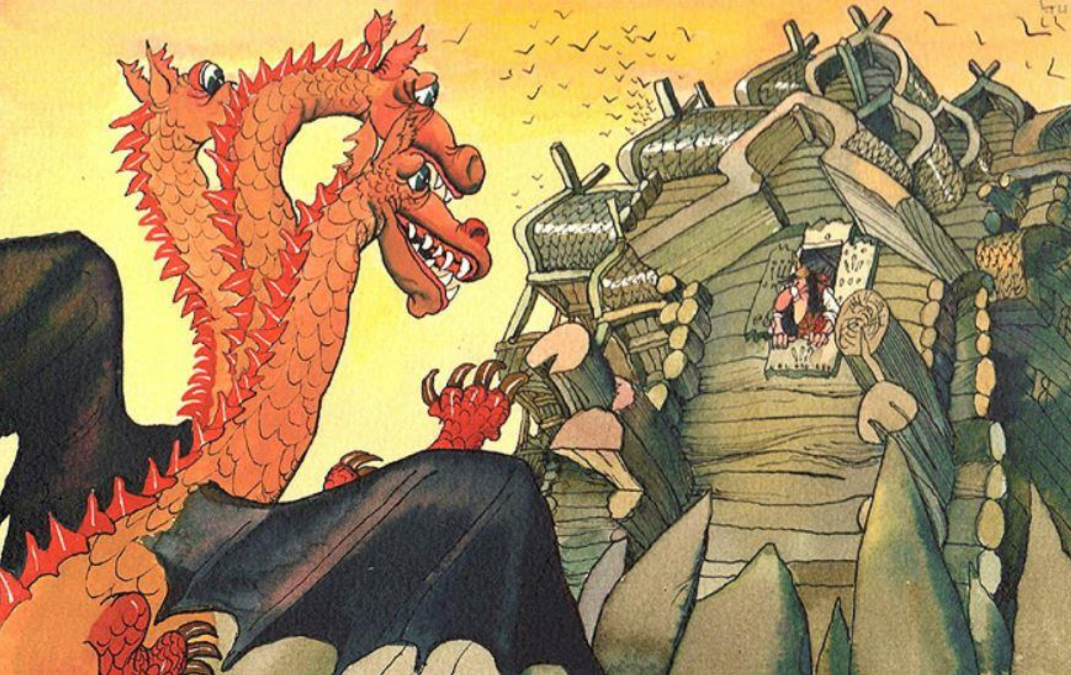
फिर एक गुप्त-दरवाजा खोलते हुए उसने कहा:

"नीचे तहखाने में जाओ और जब तक मैं तुम्हें न बुलाऊं तब तक वहीं छिपे रहो."

उसने अभी गुप्त-दरवाजा बंद ही किया था कि एक भयानक शोर और खड़खड़ाहट हुई. दरवाज़ा फट से खुला और ज़मेई गोरिनिच उड़कर आया, इतना शोर मचाते हुए कि उससे दीवारें हिलने लगीं.

"मुझे रूसी मांस की गंध आ रही है!" वो दहाड़ा.

"ओह, नहीं, मेरे बेटे, ऐसा कैसे हो सकता है! अब कई साल हो गए हैं और यहां न कोई भूरा भेड़िया और न कोई बाज़ ही आया है. क्योंकि तुम पूरी दुनिया में उड़ते हो इसलिए तुम वो गंध अपने साथ लाए होगे."



और फिर वो मेज़ सजाते हुए इधर-उधर हड़बड़ी करने लगी. उसने भट्टी से एक भुना हुआ बैल निकाला और वो पेंट्री से शराब की एक बाल्टी लाई. फिर ज़ेमी गोरिनिच एक ही झटके में बाल्टी की शराब पी गया और भुने हुए बैल को निगल गया और फिर वो कुछ खुश दिखा.

"काश मां, मैं थोड़ा मजा कर पाता! काश किसी के साथ ताश खेल पाता."

"मैं तुम्हारे साथ ताश खेलने और मौज-मस्ती करने के लिए किसी को ढूंढ सकती हूं, लेकिन मुझे डर है कि तुम उसे नुकसान पहुंचाओगे."

"तो उसे अंदर बुलाओ. मां, और डरो मत. मैं किसी को नुकसान नहीं पहुचाऊँगा, क्योंकि मैं ताश के खेल और थोड़ी सी मौज-मस्ती के लिए तरस रहा हूं."



"ठीक है, बेटा, ध्यान रखना और अपना वादा निभाना," बाबा-यगा ने उत्तर दिया और फिर उसने गुप्त-दरवाजा उठाया.

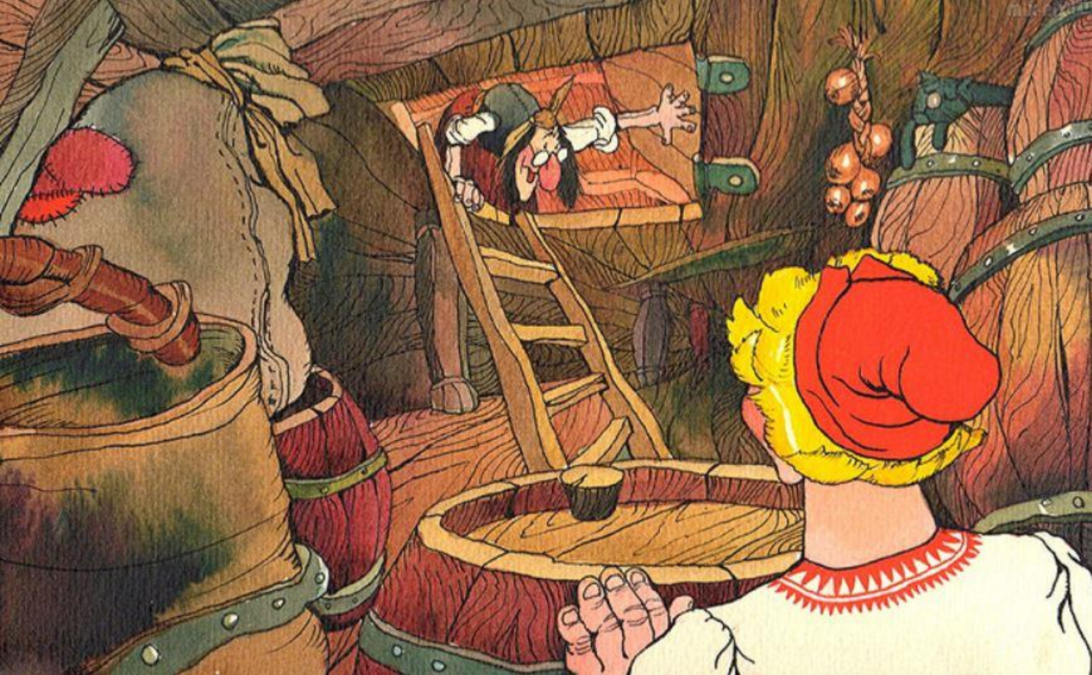
"आओ, इवान - तुम उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ हो, आओ और अपने मेज़बान पर उपकार करो और उसके साथ ताश खेलो."

वे मेज पर बैठ गए, और ज़ेमी गोरिनिच ने कहा:

"आओ खेलें, और ध्यान रखना: जीतने वाला, हारने वाले को खा जाएगा."

वे पूरी रात खेलते रहे और बाबा-यगा ने इवान की मदद की, जिससे सुबह तक इवान ने खेल जीत लिया. ज़ेमी गोरिनिच ने विनती भरे स्वर में कहा:

"थोड़ी देर और हमारे साथ और रहो, मेरे प्यारे लड़के, ताकि मैं कोशिश कर के जीत हासिल कर सकूं. आज रात जब मैं घर लौटूंगा तो हम फिर एक बार और खेलेंगे."



ड्रैगन उड़ गया, और इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था को एक अच्छी नींद मिली, और साथ में अच्छा भोजन भी.

सूर्यास्त के समय ज़ेमी गोरिनिच वापस आया, और उसने एक और भुना हुआ बैल खाया, डेढ़ बाल्टी शराब पी और कहा:

"ठीक है, अब बैठो और खेलो, देखो मैं कोशिश करूंगा और इस बार ज़रूर जीतूंगा."

वे खेलने के लिए बैठ गए, लेकिन ज़ेमी गोरिनिच पूरी रात सोया नहीं था और पूरे दिन दुनिया में उड़ता रहा था, इसलिए वो जल्द ही उनींदा हो गया. और इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था ने, बाबा-यगा की मदद से फिर से जीत हासिल की. ज़ेमी गोरिनिच ने कहा:

"अब मुझे काम के सिलसिले में उड़ना होगा, लेकिन शाम को हमारे बीच तीसरा खेल होगा."



इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था ने अच्छा आराम किया और वो गहरी नींद सोया और ज़ेमी गोरिनिच दो रातों से सोया नहीं था और पूरी दुनिया में उड़ चुका था, इसलिए वो बहुत थका हुआ घर आया. उसने एक भुना हुआ बैल खाया और दो बाल्टी शराब पी और फिर उसने अपने मेहमान को बुलाया:

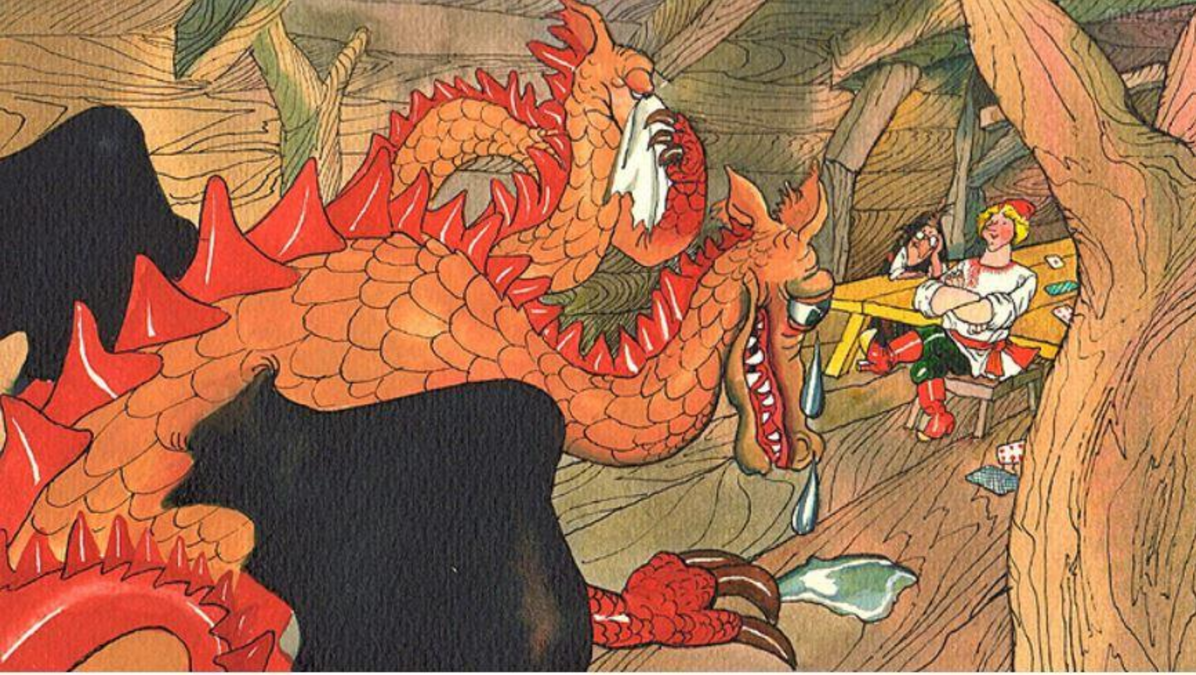
"बैठो, मेरे प्यारे लड़के, और इस बार मैं जीतने की अपनी पूरी कोशिश करूंगा."

लेकिन ड्रैगन इतना थका हुआ और उनींदा था कि इवान जल्द ही तीसरी बार भी जीत गया.

हारने के बाद ज़ेमी गोरिनिच बहुत डर गया, और वो अपने घुटनों पर गिर गया और विनती भरे स्वर में चिल्लाया:

"मुझे मत खाओ, मुझे मत मारो, इवान - तुम उम्र में कम, मगर बुद्धि में तेज़, हो! मैं तुम्हारी वो कोई भी सेवा करूंगा जो तुम चाहोगे."

और फिर वह अपनी मां के सामने घुटनों पर गिर गया और उसने मां से भी विनती की कि वो इवान को उसे छोड़ देने के लिए मनाए. और निस्संदेह इवान यही चाहता था.



"ठीक है, ज़ेमी गोरिनिच," इवान ने कहा, "मैंने आपसे तीन गेम जीते हैं, लेकिन अगर आप मुझे अपने तीन चमत्कार देंगे: खुद बजने वाला प्राचीन वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने वाली बिल्ली तो फिर मामला ख़त्म हो जायेगा और वो एक बराबरी का सौदा होगा."

ज़ेमी गोरिनिच ख़ुशी से हंसा, और वो अपने मेहमान और अपनी बूढ़ी मां बाबा-यगा को गले लगाने लगा.

"तुम उन्हें ले सकते हो, और तुम्हारा यहां पर स्वागत है!" वो चिल्लाया. "मैं अपने लिए उनसे भी बेहतर चीज़ें बना सकता हूं."

फिर ज़ेमी गोरिनिच ने एक भव्य दावत का आयोजन किया और उसने इवान के साथ अच्छा व्यवहार किया और उसे भाई बुलाया. उसने उसे अपने घर ले जाने की भी पेशकश की.



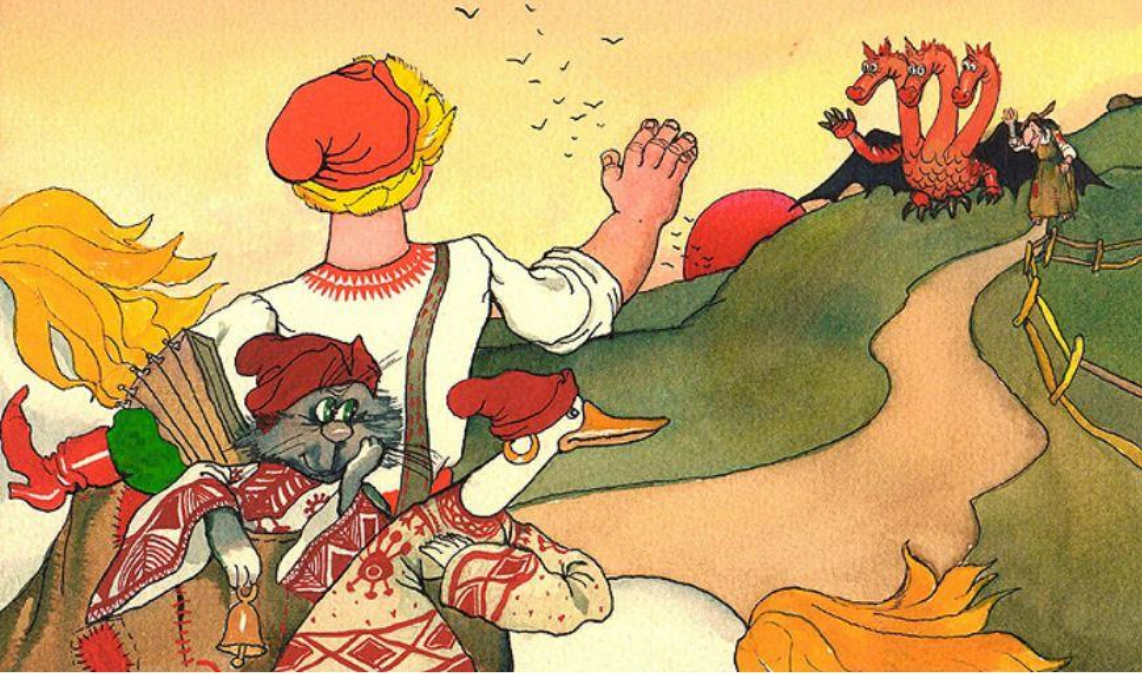
"तुम्हें पैदल क्यों चलना चाहते हो और खुद बजने वाला प्राचीन वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने वाली बिल्ली को क्यों लादकर ले जाना चाहते हो. मैं तुम्हें पलक झपकते ही वहां पर ले जाऊंगा, जहां तुम जाना चाहते हो."

"यह सही है, बेटा," बाबा-यगा ने कहा. "अपने मेहमान को अपनी मौसी, मेरी सबसे छोटी बहन के पास ले जाओ. और वापस आते समय अपनी दूसरी मौसी के पास जाना मत भूलना. उन दोनों को तुम्हें देखे हुए काफी समय हो गया है."

दावत समाप्त हो गई, और इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था ने अपने चमत्कार लिए और बाबा-यगा से अलविदा कहा, और ज़ेमी गोरिनिच ने उसे उठाया और वो नीले आकाश में उड़ गया.



एक घंटा बीतने से पहले वे तीनों बाबा-यगा में से सबसे छोटी मौसी की कुटिया के पास पहुंच गए. छोटी बाबा-यगा बाहर बरामदे में भागकर आई, और उन्हें देखकर बहुत खुश हुई. इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था बिना समय बर्बाद किए अपनी सुनहरे अयाल वाली घोड़ी पर सवार हुआ. उसने सबसे छोटी बाबा-यगा और उसके भतीजे ज़मी गोरिनिच से विदा ली फिर राजा के महल की ओर वापस चला.



वो ज़ार के महल में लौटकर आया और अपने साथ तीनों अजूबों को सही सलामत लाया. और तभी ज़ार के यहां मेहमान आए थे: तीन राजा अपनी महारानियों के साथ, तीन राजा अपने राजकुमारों के साथ, और इसके अलावा कई मंत्री भी थे.

इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था ज़ार कक्ष में गया और उसने ज़ार को खुद बजने वाला प्राचीन वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने वाली बिल्ली दी. और उन्हें देखकर ज़ार बेहद प्रसन्न हुआ!

"ठीक है, इवान - तुम उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ हो. तुमने वास्तव में मेरी बहुत अच्छी सेवा की है, और मैं इसके लिए तुम्हारी प्रशंसा करता हूं. और यह तुम्हारा इनाम है: अभी तक तुम मेरे मुख्य सईस थे. इस दिन से मैं तुम्हें अपना सलाहकार बनाता हूं ."



इस पर लड़कों और मंत्रियों की त्योरियां चढ़ गईं और उन्होंने एक दूसरे से कहा:

"हमारे बीच में एक सईस बैठेगा! वो कितना अपमानजनक होगा! ज़ार जाने क्या फ़ालतू बातें सोचता है!"

लेकिन तभी खुद बजने वाले वाद्ययंत्र ने संगीत ने एक धुन बजाई, मसखरी बिल्ली ने गाना शुरू किया और नाचने वाले बत्तख ने नृत्य करना शुरू कर दिया. और फिर वहां ऐसी मौज-मस्ती होने लगी कि कोई भी बड़ा अतिथि वहां शांत नहीं बैठ सका, बल्कि वे सभी उठकर नृत्य करने लगे.

काफी समय बीत गया, लेकिन वे नाचते रहे. राजाओं और ज़ारों के मुकुट एक तरफ खिसक गए और उनके सिरों पर तिरछे बैठ गए, राजकुमारों ने गोल-गोल घूमना शुरू कर दिया, और लड़कों और मंत्रियों का पसीना निकल आया और हांफने लगे. वे बार-बार नाचते रहे और खुद को रोक नहीं पाए. और अंत में ज़ार ने अपना हाथ लहराया और विनती की:

"मज़ा बंद करो, करो, इवान - तुम उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ हो. अब हम सभी थक गए हैं!"



इसलिए इवान ने तीनों चमत्कारों को एक बैग में रख दिया और उसके बाद महफ़िल में तुरंत सन्नाटा छा गया.

मेहमान बेंचों पर गिर पड़े और वहां बैठकर हांफने लगे.

"हमने ऐसी दावत पहले कभी नहीं देखी!" वे चिल्लाए. "क्या आप में से कभी किसी ने ऐसा पहले देखा था!"

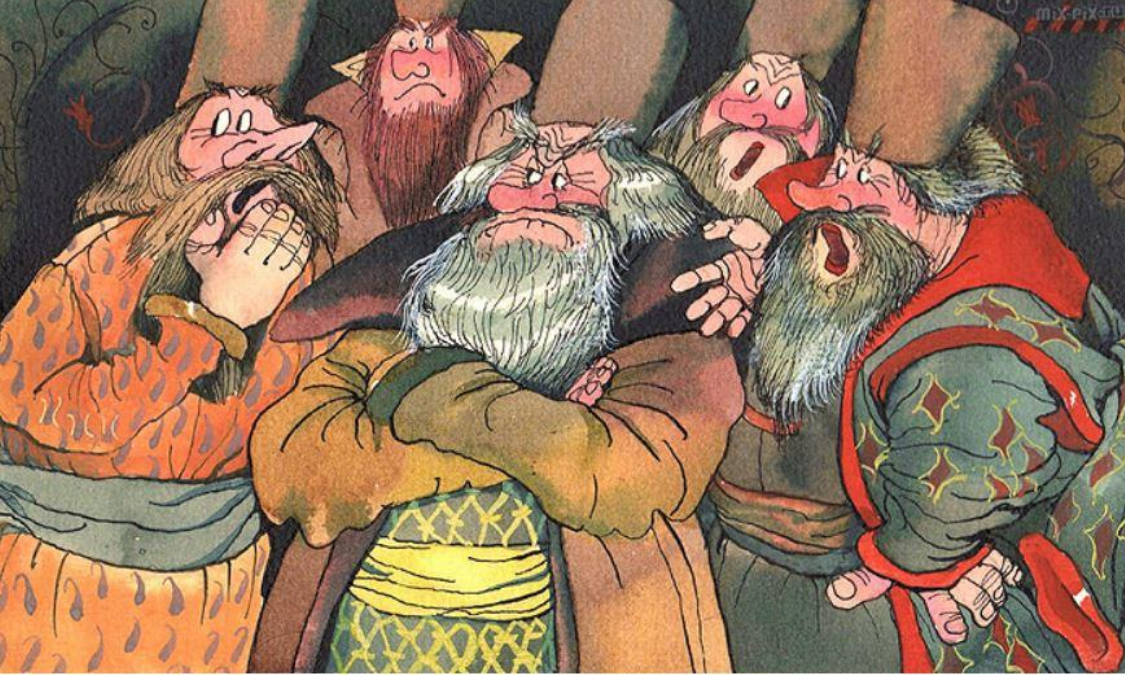
विदेशी देशों के सभी राजा और राजकुमार अब ज़ार से ईर्ष्या करने लगे जिससे ज़ार बेहद प्रसन्न हुआ.

"अब सभी राजाओं को उन चीज़ों के बारे में पता चलेगा और वे ईर्ष्या से भड़क उठेंगे," ज़ार ने सोचा.

"उनमें से किसी के पास भी ऐसे चमत्कार नहीं हैं."

लेकिन ज़ार के लड़कों और मंत्रियों ने एक दूसरे से कहा:

"अगर ऐसा ही चलता रहा, तो इवान, ज़ार के राज्य में सबसे महत्वपूर्ण आदमी बन जाएगा. अगर हमने उससे छुटकारा नहीं पाया, तो वो राज्य के सभी पद अपने बेवकूफ रिश्तेदारों को सौंप देगा, और फिर वो हम लोगों को यहां से भगा देंगे."



और इसलिए अगले दिन सब मंत्री इकट्ठे हुए और ज़ार के नए सलाहकार से छुटकारा पाने का उपाय सोचने लगे. उन्होंने सोचा और सोचा. अंत में उनमें से एक बूढ़े ने कहा:

"चलो हम उसी शराबी को बुलाते हैं, वो ऐसी चीजों में बड़ा माहिर है."

उन्होंने उस शराबी को बुलाया जिसने आकर उन्हें प्रणाम किया और कहा:

"मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि आप सम्माननीय लोग मुझसे क्या चाहते हैं. यदि आप मुझे शराब की आधी बाल्टी देंगे तो मैं आपको सिखाऊंगा कि ज़ार के नए सलाहकार से कैसे छुटकारा पाया जाए."

"बोलते रहो, और तुम्हें शराब की आधी बाल्टी मिलेगी," मंत्रियों ने कहा.

उन्होंने शुरुआत में उसे एक गिलास दिया और शराबी उसे पूरा पी गया और उसने कहा:

"हमारे ज़ार को विधुर हुए चालीस साल हो गए हैं. तब से उसने प्यारी राजकुमारी एल्योना को लुभाने की कई बार कोशिश की, लेकिन उसे उसमें सफलता नहीं मिली. तीन बार उसने उसके देश पर युद्ध भी छेड़ा और कई सैनिकों को खो दिया, लेकिन वो बलपूर्वक उनसे कभी जीत नहीं सका. ज़ार, इवान को - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ है वहां भेजे. फिर वो कभी वापस नहीं आएगा."



मंत्रियों ने हिम्मत जुटाई और जब सुबह हुई तो वे सीधे ज़ार के पास गए.

"आप ऐसे चतुर सलाहकार को पाकर कितने बुद्धिमान हैं, महामहिम! उसके द्वारा लाए गए चमत्कारों को प्राप्त करना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन अब इवान दावा करता है कि वो और आगे बढ़ सकता है और आपके लिए एल्योना जैसी खूबसूरत राजकुमारी को ला सकता है."

जब ज़ार ने खूबसूरत राजकुमारी एल्योना का नाम सुना, तो फिर वो शांत नहीं बैठ सका. वो तुरंत अपने सिंहासन से कूदा.

"अरे मैंने इसके बारे में पहले क्यों नहीं सोचा!" वो चिल्लाया. "मैं इवान को ही खूबसूरत एल्योना राजकुमारी को लाने भेजूंगा."

ज़ार अपने नये सलाहकार को बुलाया और कहा:

"तुम्हें तुरंत थ्रिस-नाइन लैंड्स से आगे थ्रीस-टेन ज़ारडोम तक जाना होगा और मेरे लिए खूबसूरत एल्योना राजकुमारी को लाना होगा."



इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था ने उत्तर दिया:

"लेकिन, महामहिम, खूबसूरत राजकुमारी एल्योना, खुद बजने वाला प्राचीन वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने वाली बिल्ली जैसी बिल्कुल नहीं है. आप उन्हें एक थैले में नहीं भर सकते हैं. इसके अलावा, वो शायद यहां आना ही न चाहती हों."

लेकिन ज़ार ने अपने पैर पटके और हाथ हिलाये, और उनकी दाढ़ी ज़ोर-ज़ोर से हिलने लगी.

"तुम मुझसे बहस मत करो!" ज़ार चिल्लाया. "मैं ऐसी कोई बात नहीं सुनूंगा. तुम जो चाहो करो, पर तुम खूबसूरत राजकुमारी एल्योना को यहां लेकर आओ. यदि तुम ऐसा करोगे, तो मैं तुम्हें इनाम में एक शहर और उसके चारों ओर की सारी ज़मीन दे दूंगा, और तुम्हें राज्य में एक मंत्री नियुक्त करूंगा. लेकिन यदि तुम फेल हुए— तो मैं तुम्हारा सिर काट दूंगा!''

जब इवान ने ज़ार को छोड़ा तो वो विचारमग्न और दुखी था. वो अपनी सुनहरी अयाल वाली घोड़ी पर काठी कसने लगा, और तभी घोड़ी ने उससे पूछा:

"आप इतने उदास और विचारों में क्यों खोए हैं, मालिक? क्या आप परेशानी में हैं?"



"मैं किसी बड़ी मुसीबत में नहीं फंसा हूं लेकिन प्रसन्न होने वाली भी कोई बात नहीं है." इवान ने उत्तर दिया, "ज़ार ने मुझे खूबसूरत राजकुमारी एल्योना को लाने का आदेश दिया है. ज़ार ने खुद उसे लुभाने में तीन साल बिताए लेकिन सब कुछ व्यर्थ हुआ, और ज़ार ने उसे जीतने के लिए तीन युद्ध लड़े लेकिन वो उन्हें जीत नहीं सका, और अब उन मुझे अकेले ही खूबसूरत राजकुमारी एल्योना को लाने के लिए भेजा है. "

"ठीक है, इसमें दुखी होने की कोई बात नहीं है," सुनहरी अयाल वाली घोड़ी ने कहा. "मैं आपकी मदद करूंगी, और हम किसी तरह राजकुमारी को ज़रूर हासिल करेंगे."

इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था को फिर तैयार होने में अधिक समय नहीं लगा और जल्द ही वो चल दिया. लोगों ने उसे आखिरी बार देखा जब वो अपने घोड़े पर कैसे चढ़ रहा था - लेकिन वो इतना तेज था कि वे उसे गेट से गुजरते हुए नहीं देख सके.

चाहे वो दूर गया या पास, वो तेज़ चला कि धीमे कोई नहीं जानता, लेकिन अंत में वह थ्रीस-टेन ज़ारडोम के पास पहुंचा, और वहां एक लंबे ताल ने उसका रास्ता रोक दिया. लेकिन उसकी सुनहरी अयाल वाली घोड़ी ने आसानी से उसके ऊपर छलांग लगा दी, और फिर इवान ने खुद को ज़ार के बगीचे में पाया.



सुनहरी अयाल वाली घोड़ी ने कहा:

"मैं खुद को सुनहरे सेबों वाले एक सेब के पेड़ में बदल लूंगी, और तुम मेरे बगल में छिपना. कल खूबसूरत राजकुमारी एल्योना टहलने के लिए बाहर आएगी, और वो एक सुनहरा सेब तोड़ना चाहेगी. फिर तुम एक मिनट भी बर्बाद मत करना और जैसे ही वो करीब आये, तुम उसे पकड़ लेना, मेरी पीठ पर चढ़ जाना - मैं तैयार रहूंगी - और फिर हम चले जाएंगे. और ध्यान रखना, यदि तुमने कोई गलती की, तो फिर हम दोनों मारे जाएंगे."

अगली सुबह प्यारी राजकुमारी एलोना टहलने के लिए बगीचे में आई. उसने सेब के पेड़ पर लदे सुनहरे फलों को देखा और फिर वो अपनी दासियों और नौकरानियों पर चिल्लाई:

"अरे देखो कितना प्यारा सेब का पेड़ है! और इसके सभी सेब सोने के हैं! यहीं रहो और तब तक प्रतीक्षा करो जब तक मैं जाकर एक तोड़कर न लाऊं."



फिर राजकुमारी पेड़ की ओर भागी, और इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था तुरंत कूदा और उसने खूबसूरत राजकुमारी एल्योना को पकड़ लिया. और उसी क्षण सेब का पेड़ सुनहरी अयाल वाली घोड़ी में बदल गया, और उसने इवान को याद दिलाने के लिए अपने खुरों से जमीन पर पीटा कि उसे जल्दी करनी चाहिए. फिर इवान काठी पर कूदा और उसने खूबसूरत राजकुमारी एल्योना को अपने साथ खींच लिया. वो आखिरी बार था जब राजकुमारी की दासियों और नौकरानियों ने उसे देखा.

दासियों ने शोर मचाया, और गार्ड तुरंत दौड़कर आये, लेकिन तब तक प्यारी राजकुमारी एल्योना जा चुकी थी. जब ज़ार को इसका पता चला तो उसने सभी दिशाओं में अपने घुड़सवार भेजे. लेकिन वे सभी खाली हाथ लौटकर आए. वे अपने घोड़ों पर सवार होकर मौत के घाट उतर चुके थे, लेकिन प्यारी राजकुमारी एलोना की अभी भी उस आदमी को नहीं देखा था, जो उसे पकड़ कर ले जा रहा था.

इस बीच इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था कई देशों को सरपट पार कर चुका था और अपने पीछे कई झीलें और नदियां छोड़ आया था.



सबसे पहले प्यारी राजकुमारी एल्योना ने बहुत संघर्ष किया, लेकिन फिर उसने हार मान ली और चुपचाप रोने लगी.

राजकुमारी शायद किसी मंत्र के लिए रो रही थी, और फिर वो इवान की ओर देखती थी, फिर कुछ और रोती थी, और फिर उसकी ओर देखती थी. दूसरे दिन राजकुमारी ने इवान से बात की.

"मुझे बताओ, अजनबी," उसने कहा, "तुम कौन हो और कहां से आये हो? तुम्हारी जन्मभूमि कहां है, और तुम्हारे रिश्तेदार कौन हैं, और तुम किस नाम से जाने जाते हो?"

"मेरा नाम इवान है, और लोग मुझे इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ है के नाम से बुलाते हैं. मैं अमुक ज़ारडोम से आता हूं, और मेरे पिता और मां किसान हैं."

"तो फिर इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ है क्या तुमने मुझे अपने लिए लेकर जा रहे हो क्योंकि तुम मुझे चाहते हो, या फिर तुम यह काम किसी के आदेश पर कर रहे हो?"

"ज़ार ने मुझे तुम्हें लाने का आदेश दिया है," इवान ने कहा.

इस पर प्यारी राजकुमारी एलिओना ने अपने हाथ मरोड़कर रोते हुए कहा:



"मैं अपने जीवन में कभी भी उस बूढ़े मूर्ख से शादी नहीं करूंगी! तीन साल तक उसने मुझे लुभाया और मुझे जीत नहीं सका: उसने मेरे देश के खिलाफ तीन युद्ध लड़े और कई सैनिक खोए और फिर भी वो मुझे हासिल नहीं कर सका; और वो मुझे इस बार भी हासिल नहीं कर पाएगा."

ये शब्द इवान को, जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था को बहुत अच्छे लगे. लेकिन उसने कुछ नहीं कहा और केवल मन ही मन सोचा:

"काश मेरी भी ऐसी पत्नी होती!"

धीरे-धीरे इवान की अपना राज्य नज़र आने लगा जहां पर बूढ़ा ज़ार अपने महल के सामने बरामदे में खड़ा उनका इंतज़ार कर रहा था.



इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ सीधा महल में गया, और फिर ज़ार सीढ़ियों से नीचे उतरा. इवान ने प्यारी राजकुमारी एल्योना को काठी से उठाया और उसके सफेद हाथों को अपने हाथों में ले लिया.

"इतने सालों में," ज़ार ने कहा, "मैं तुम्हें लुभाने के लिए अपने लोगों को भेजता रहा हूं और खुद आता रहा हूं, और तुमने हमेशा मना किया है. लेकिन इस बार तुम्हें मुझसे शादी करनी ही होगी."



और एल्योना प्यारी राजकुमारी व्यंग्यपूर्वक मुस्कुराई और बोली:

"शादी की बात करने से पहले आप मुझे इस लम्बी यात्रा के बाद कुछ आराम लेने दें, महाराज."

ज़ार ने तुरंत महल की दासियों, नौकरानियों को बुलाया.

"क्या मेरे सबसे स्वागत योग्य अतिथि प्यारी राजकुमारी एल्योना का कमरा तैयार है?"

"वो बहुत पहले से तैयार है, महामहिम."

"ठीक है, फिर सब लोग जान लो कि वो तुम्हारी रानी बनेगी, इसलिए उसकी आज्ञा मानो और उसकी हर बात का पालन करो!"



फिर दासियां, और नौकरानियां प्यारी राजकुमारी एल्योना को उसके कमरे तक ले गईं.

ज़ार ने इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था से कहा :

"बहुत बढ़िया, इवान! मेरी इस सेवा करने के बाद अब तुम मेरे प्रधान मंत्री बनोगे, और मैं तुम्हें तीन शहर और उनके आसपास की सारी ज़मीन बक्शीश में दूंगा."

एक दिन और दूसरा दिन बीत गया, और बूढ़ा ज़ार और अधिक अधीर हो गया, शादी करने के लिए और उत्सुक हो गया. उसने प्यारी राजकुमारी एलोना से कहा:

"शादी किस दिन करोगी, हम चर्च कब जायेंगे?"

और प्यारी राजकुमारी एलोना ने उत्तर दिया:

"जब तक मेरी शादी की अंगूठी और मेरा कोच मेरे पास नहीं होंगे तब तक मैं भला शादी कैसे कर सकती हूं?"



"अगर इतनी सी बात है तो फिर हमें कोई नहीं रोक सकता है," ज़ार ने कहा. "मेरे राजघराने में पर्याप्त कोच और अतिरिक्त अंगूठियां हैं. आप अपनी पसंद का चयन कर सकती हैं. लेकिन अगर वो आपको खुश नहीं करते हैं, तो हम उन चीज़ों को लाने के लिए समुद्र के पार देश में एक दूत को भी भेज सकते हैं."

"नहीं, महामहिम, मैं अपने कोच के अलावा किसी और के साथ चर्च नहीं जाऊंगी और मेरी शादी अपनी अंगूठी के अलावा किसी अन्य अंगूठी के साथ नहीं होगी."

"लेकिन यह बताइये कि आपकी शादी की अंगूठी और आपका कोच कहां हैं?"

"मेरी अंगूठी मेरे यात्रा ट्रंक में है, और मेरा यात्रा ट्रंक मेरे कोच में है, और मेरा कोच बायन द्वीप के पास, महासागर-समुद्र के तल पर है. और जब तक आप उन्हें प्राप्त नहीं कर लेते, तब तक बेहतर होगा कि आप शादी के बारे में बात न करें."

ज़ार ने अपना मुकुट उतार दिया और उसने अपने सिर के पिछले हिस्से को खुजलाया.

"लेकिन मैं तुम्हारे कोच को महासागर के नीचे से कैसे निकालूंगा?"

"मुझे इसकी परवाह नहीं है कि आप वो कैसे करेंगे."



और फिर राजकुमारी अपने कक्ष में चली गई.

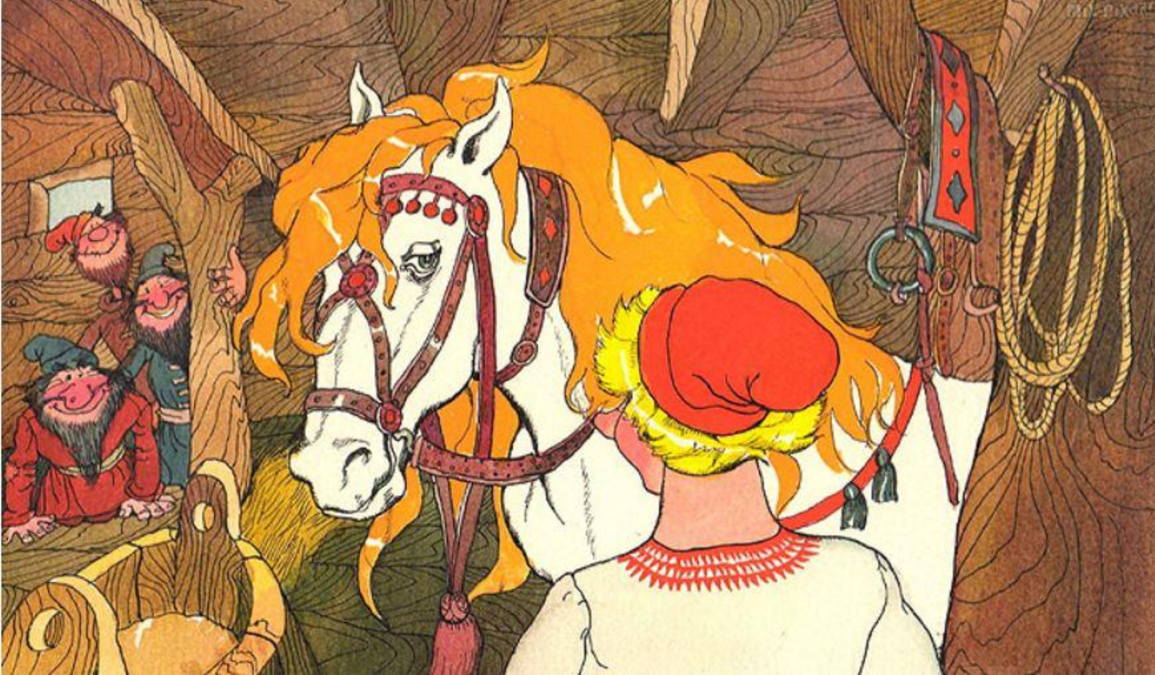
ज़ार अकेला रह गया. वो सोचता रहा और तब तक सोचता रहा जब तक उसे इवान की याद नहीं आ गई - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था.

"वही है जो मुझे राजकुमारी की अंगूठी और कोच दिलवाएगा!" ज़ार ने कहा.

और उसने सीधे इवान को बुलवाया और उससे कहा:

"अब, मेरे वफ़ादार सेवक तुम उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ हो, इसलिए मैं जो कहता हूं उसे ध्यान से सुनो. वो तुम ही थे जिसने मुझे खुद बजने वाला प्राचीन वाद्ययंत्र, नाचने वाली बत्तख और मसखरी करने वाली बिल्ली लाकर दी. तुम ही थे, जो मेरे लिए प्यारी राजकुमारी एल्योना लेकर आए. अब मेरी एक तीसरी सेवा करो—मेरे लिए उसकी शादी की अंगूठी और कोच लाओ. उसकी अंगूठी यात्रा ट्रंक में है, यात्रा ट्रंक उसके कोच में है, और उसका कोच, बायन द्वीप के पास है महासागर-समुद्र के नीचे. यदि तुम मेरे लिए अंगूठी और कोच ले आओगे, तो मैं तुम्हें अपने राज्य के एक-तिहाई हिस्से का मालिक बना दूंगा."

इवान जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था उसने कहा:



"लेकिन, महामहिम, मैं व्हेल-मछली नहीं हूं. मैं अंगूठी और कोच की तलाश में समुद्र तल तक कैसे जा सकता हूं?"

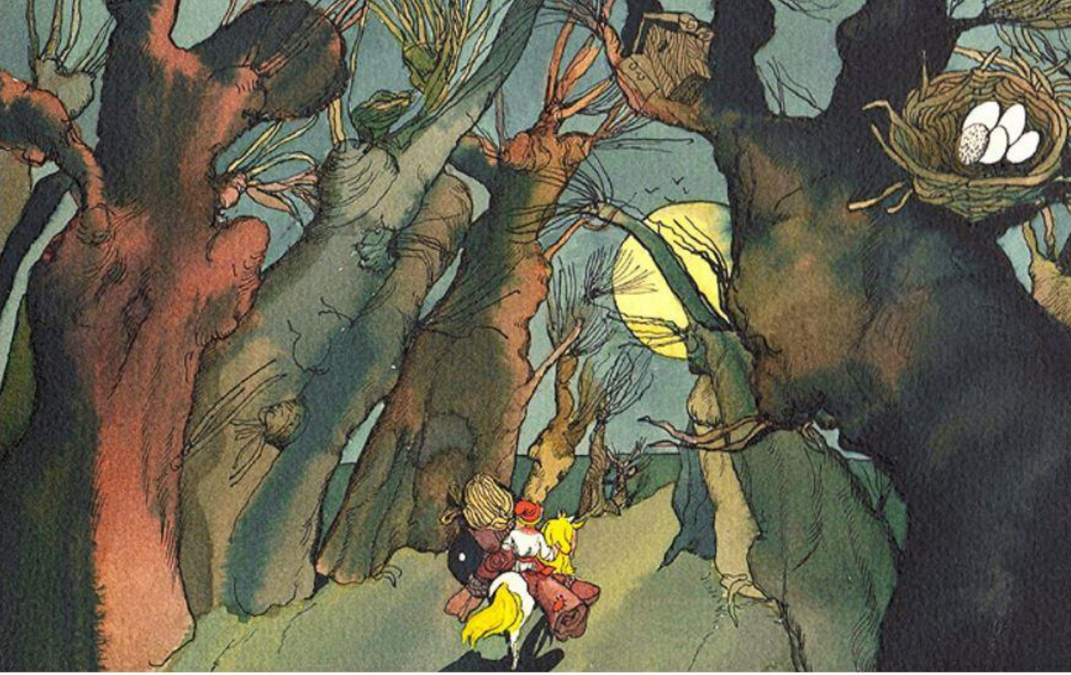
ज़ार गुस्से में आ गया. वो अपने पैर पटकने लगा और चिल्लाया:

"यह बताओ! यहां ज़ार कौन है? तुम या मैं? आदेश देना मेरा काम है और आज्ञा मानना तुम्हारा! यदि तुम मेरे लिए अंगूठी और कोच लाओगे, तो मैं तुम्हें शाही इनाम दूंगा; यदि तुम नहीं लाओगे, तो फिर मैं तुम्हारा सिर काट दूंगा!"

इवान अस्तबल में गया, और उसने अपनी घोड़ी पर सुनहरे अयाल से काठी कसनी शुरू की, और तब घोड़ी ने पूछा:

"क्या आप बहुत दूर जा रहे हैं, मालिक?"

"मैं अभी तक खुद भी नहीं जानता, लेकिन मुझे जाना ही होगा. ज़ार ने मुझे राजकुमारी की अंगूठी और कोच लाने का आदेश दिया है. अंगूठी उसके यात्रा ट्रंक में है, उसका यात्रा ट्रंक उसके कोच में है, और कोच, बायन द्वीप के पास है महासागर-समुद्र के तल पर. और अब हमें वहां जाना होगा."



सुनहरी अयाल वाली घोड़ी ने कहा:

"अब तक हमने जो भी किया है यह उससे कहीं अधिक कठिन कार्य है. रास्ता दूर नहीं है, लेकिन उसका अंत दुखद हो सकता है. मुझे पता है कि कोच कहां है, लेकिन उसे प्राप्त करना आसान नहीं होगा. मैं महासागर-समुद्र के नीचे जाऊंगी और फिर कोच से सट जाऊंगी. और यदि समुद्री-घोड़े मुझे नहीं देखते हैं तो मैं कोच को बाहर खींच लूंगी. यदि वे मुझे देख लेते हैं तो वे मेरे टुकड़े-टुकड़े कर देंगे, और फिर आप कभी भी न तो मुझे, और न ही कोच को देख पाएंगे."

इस पर इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़, सोच में पड़ गया. उसने सोचा और सोचा, आख़िरकार उसे कोई रास्ता नहीं मिला.

वह ज़ार के पास गया और कहा:

महामहिम, मुझे बारह बैलों की खालें चाहिए. बारह ड्रम तारकोल की रस्सी, और एक कढ़ाई चाहिए."

"जो कुछ भी तुम्हें चाहिए ले लो," ज़ार ने कहा, "बस जल्दी करो और अपना काम शुरू करो."



इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ ने, बैल की खाल, रस्सी, तारकोल और बड़ी कड़ाही को एक गाड़ी पर लादा, वो अपनी घोड़ी पर बैठा और अपने रास्ते चल पड़ा.

वे समुद्र के किनारे, ज़ार के अपने घास के मैदानों में पहुंचे, और इवान ने घोड़ी को खाल से ढंकना और उन्हें रस्सी से बांधना शुरू कर दिया.

"अगर समुद्री-घोड़ों की नज़र तुम पर पड़ भी जाए, तो भी वे इतनी जल्दी तुम्हारी खाल नहीं काट पाएंगे," इवान ने कहा.

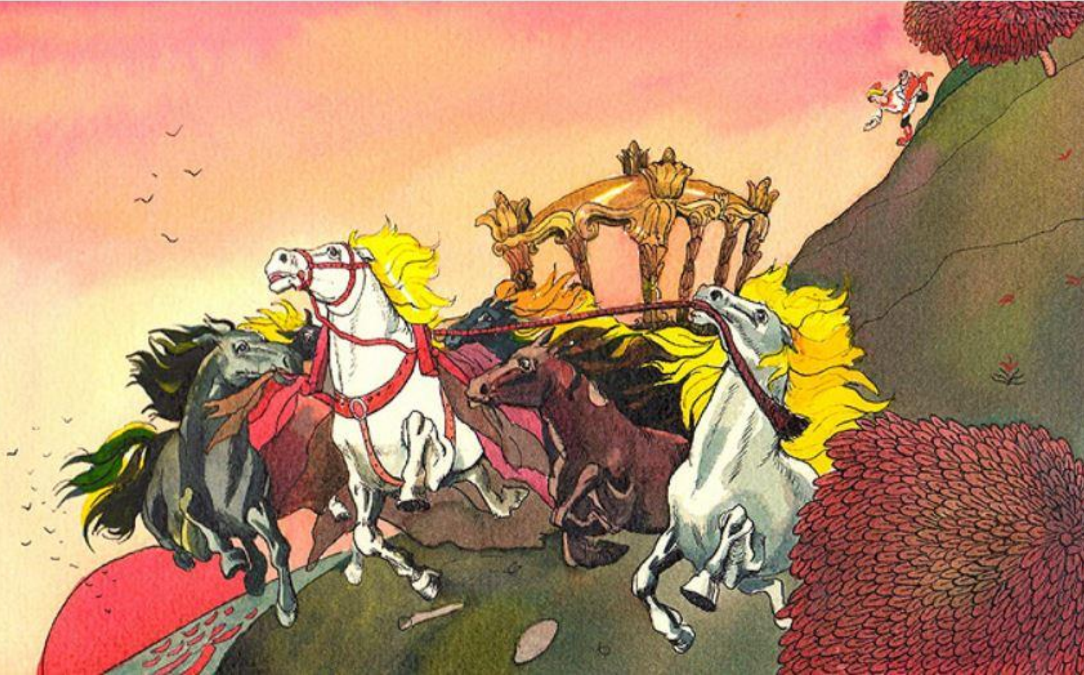
और उसने घोड़ी को सभी बारह खालों में लपेट दिया और उन्हें बांधने के लिए सभी बारह खालों की रस्सी का उपयोग किया. फिर उसने तारकोल को गरम किया और उसके ऊपर, पूरे बारह ड्रम तारकोल उंडेल दिया.

"अब समुद्री-घोड़े मुझे कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकते." सुनहरी अयाल वाली घोड़ी ने कहा, "आप यहां घास के मैदान में रुकें और तीन दिनों तक मेरी प्रतीक्षा करें. अपना वाद्ययंत्र बजायें पर अपनी आंखें बंद न करें."



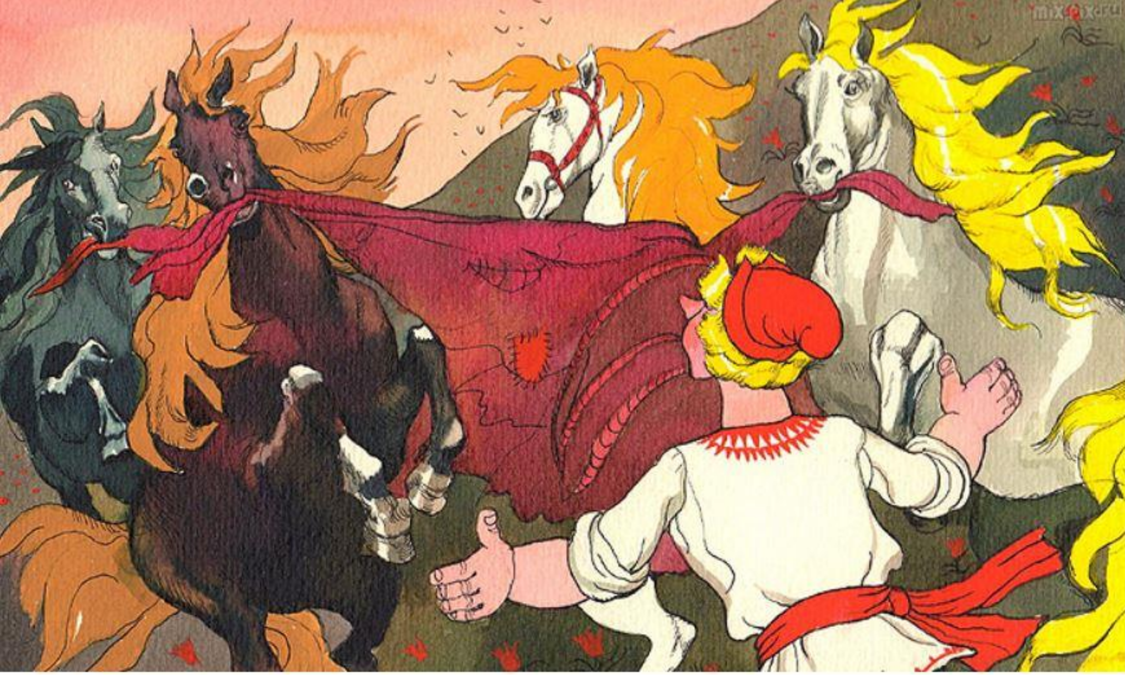
और फिर घोड़ी समुद्र में कूद गई .

इवान—जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था, समुद्र के किनारे बिल्कुल अकेला रह गया. एक दिन बीता, फिर दूसरा, और फिर भी वो जागता रहा, वो अपना वाद्ययंत्र बजाता रहा और अपनी आंखें समुद्र पर गड़ाए रखीं.



परन्तु तीसरे दिन उसे नींद आने लगी, और तब वाद्ययंत्र भी उसकी सहायता नहीं कर सका. वो काफी समय तक नींद से संघर्ष करता रहा, लेकिन आख़िरकार नींद उस पर हावी हो गई, और इससे पहले कि उसे पता चलता, उसे झपकी आ गई.

वो देर तक सोया या थोड़ी देर, वो कोई नहीं जानता है, लेकिन अचानक उसे खुरों की खड़खड़ाहट सुनाई दी. और उसने देखा कि सुनहरी आयल वाली घोड़ी किनारे की ओर बढ़ रही थी और कोच को अपने पीछे खींच रही थी, जबकि छह सुनहरे बालों वाले समुद्री-घोड़े उससे लटके हुए थे.



इवान - जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था उसकी ओर दौड़ा, और तब सुनहरी अयाल वाली घोड़ी ने कहा:

"यदि तुमने मुझे बैल की खालों से न ढका होता, न बांधा होता और तारकोल नहीं डाला होता, तो तुम मुझे फिर कभी नहीं देख पाते. समुद्री-घोड़ों का एक पूरा झुंड मुझ पर टूट पड़ा. उन्होंने मेरी बारह खालों में से नौ को फाड़कर उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए और दो अन्य को उन्होंने काट डाला. और छह घोड़ों के दांत रस्सियों और तारकोल में इतनी ज़ोर से फंस गए कि वे खुल नहीं सके. लेकिन यह ठीक है, क्योंकि तुम उनका दुबारा उपयोग कर पाओगे.''



इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ ने समुद्री-घोड़ों के पैरों को बांध दिया ताकि वे भाग न सकें और, अपना चाबुक निकालकर, उन्हें मारना शुरू किया. और उन्हें कुछ कोड़े मारने के बाद उसने कहा:

"क्या तुम मुझे अपना मालिक मानोगे? क्या तुम मेरी बात मानोगे? यदि तुम ऐसा नहीं करोगे, तो मैं तुम्हें जीवित काट डालूंगा और तुम्हारी लाशें भेड़ियों के सामने फेंक दूंगा."

फिर समुद्री-घोड़े अपने घुटनों पर गिर गए और फिर उन्होंने इवान से उन्हें छोड़ देने की विनती की.

"हमें और मत मारो, प्यारे लड़के," वे चिल्लाये. "हम आपकी हर बात मानेंगे और ईमानदारी से आपकी सेवा करेंगे और अगर कभी आप मुसीबत में होंगे तो हम आपकी मदद के लिए आएंगे."



इसलिए इवान ने उन्हें पीटना बंद कर दिया और
फिर सभी सात घोड़ों को कोच में बिठा कर घर चला.



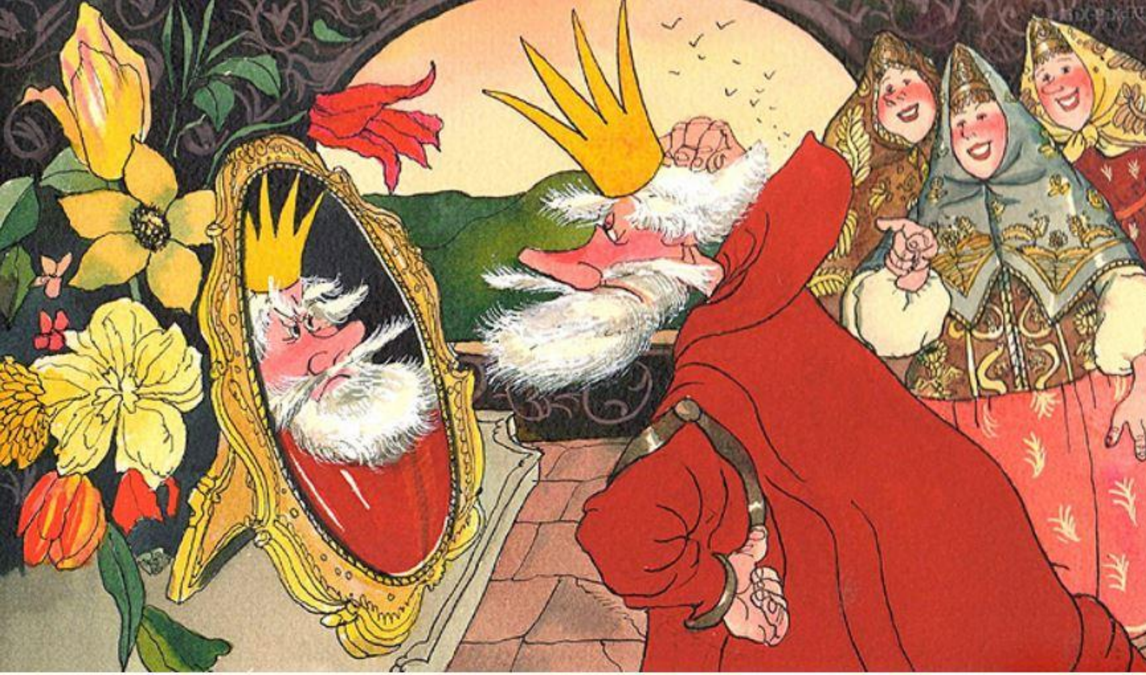
वे ज़ार के महल के सामने के दरवाज़े तक पहुंचे, और फिर इवान घोड़ी और समुद्री-घोड़ों को अस्तबल में ले गया और खुद ज़ार के पास गया.

"महामहिम आप आएं और कोच को लें. कोच, दहेज के सारे सामान के साथ आपके बरामदे में इंतजार कर रहा है."



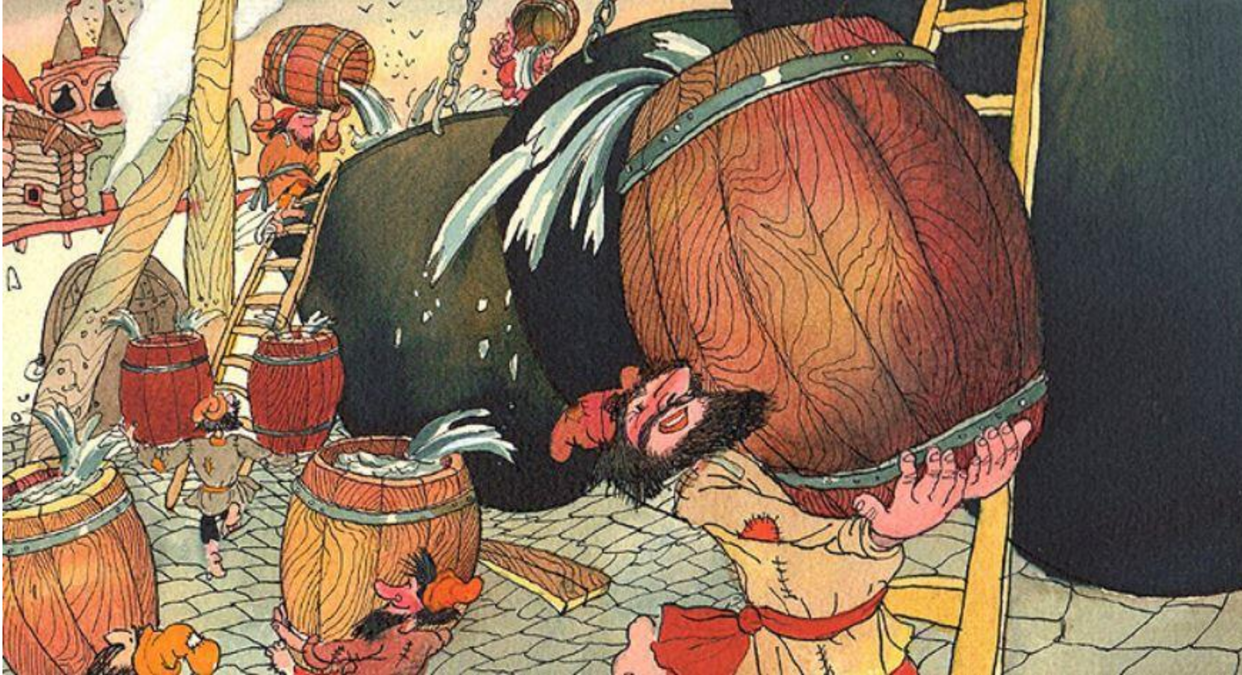
ज़ार बाहर दौड़ा और सीधे कोच के पास गया, और उसने ट्रंक उठाया और उसे सुन्दर राजकुमारी एलोना के पास ले गया. लेकिन उसने इवान से धन्यवाद का एक शब्द भी नहीं कहा.

"ठीक है, सुन्दर राजकुमारी एलोना," ज़ार ने कहा, "मैंने आपकी सभी इच्छाओं को पूरा किया है. यहां आपकी अंगूठी और ट्रंक हैं, और कोच बाहर इंतजार कर रहा है. अब बताओ कि शादी कब करनी है और किस दिन मैं अपने मेहमानों को आमंत्रित करूं."



एल्योना प्यारी राजकुमारी ने उत्तर में कहा:

"मुझे आपसे शादी करने में कोई आपत्ति नहीं है, और हम जल्द ही शादी कर सकते हैं. लेकिन मुझे इतने बूढ़े और दढ़ियल आदमी के साथ चर्च जाते हुए शर्म आती है. लोग क्या कहेंगे? वे निश्चित रूप से हम पर हंसेंगे: 'देखो उस बूढ़े आदमी की एक युवा लड़की से शादी होने जा रही है!' वे कहेंगे. और फिर गपशप करने वालों का मुंह बंद करना मुश्किल हो जाएगा. लेकिन अगर आप हमारी शादी से पहले जवान हो जाएं, तो सब ठीक हो जाएगा."



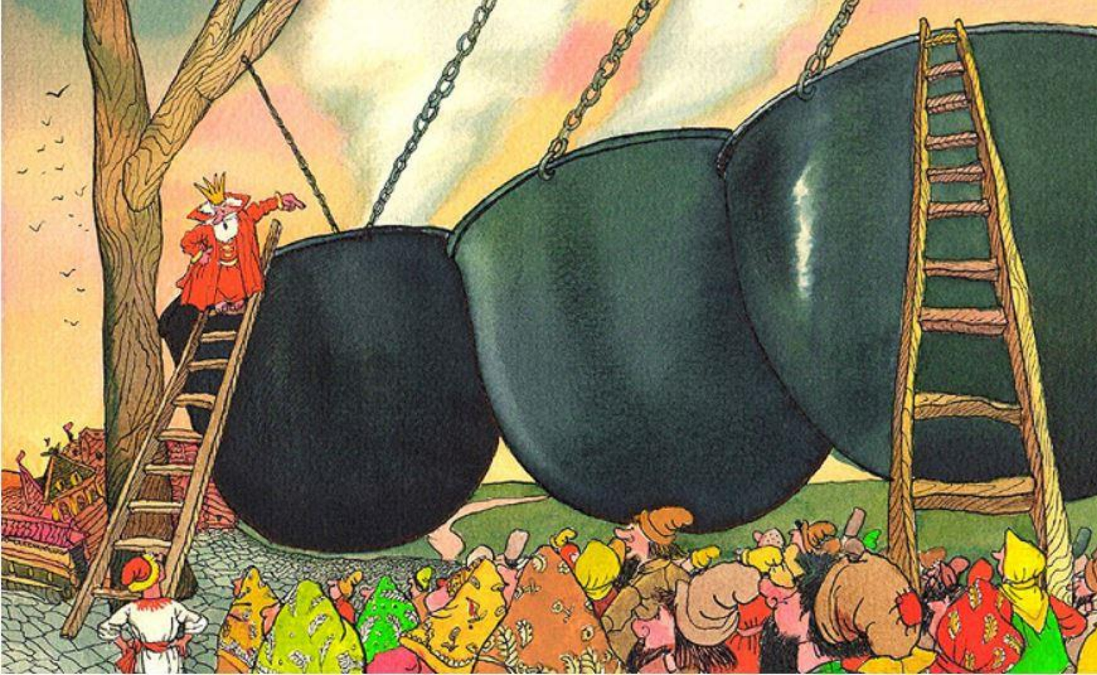
"मुझे इससे अधिक कुछ भी प्रसन्न नहीं करेगा." ज़ार ने कहा, "लेकिन तुम्हें मुझे यह बताना होगा कि मैं जवान कैसे बनूं. क्योंकि उसके बारे में हमारे साम्राज्य में किसी को नहीं पता है."

"तुम तीन बड़े तांबे के कड़ाहे लाओ. एक को दूध से और बाकी दो को झरने के पानी से भरो. दूध के साथ एक कड़ाही पानी को भी गर्म करो, और जैसे ही वे उबलने लगें, तुम सबसे पहले गर्म दूध में फिर गर्म पानी में कूदो और अंत में ठंडे पानी में. और जब तुम तीनों कड़ाहों में डुबकी लगाओगे, फिर तुम बीस साल के आदमी की तरह युवा और सुंदर बनकर निकलोगे."

"लेकिन क्या मैं झुलस नहीं जाऊंगा?" ज़ार से पूछा.

"मेरे राज्य में कोई भी बूढ़ा आदमी नहीं है. क्योंकि वहां हर कोई ऐसा ही करता है, और आजतक कभी कोई झुलसा नहीं है."

फिर ज़ार ने सब कुछ वैसा ही तैयार करवाया जैसा एल्योना ने उससे कहा था.



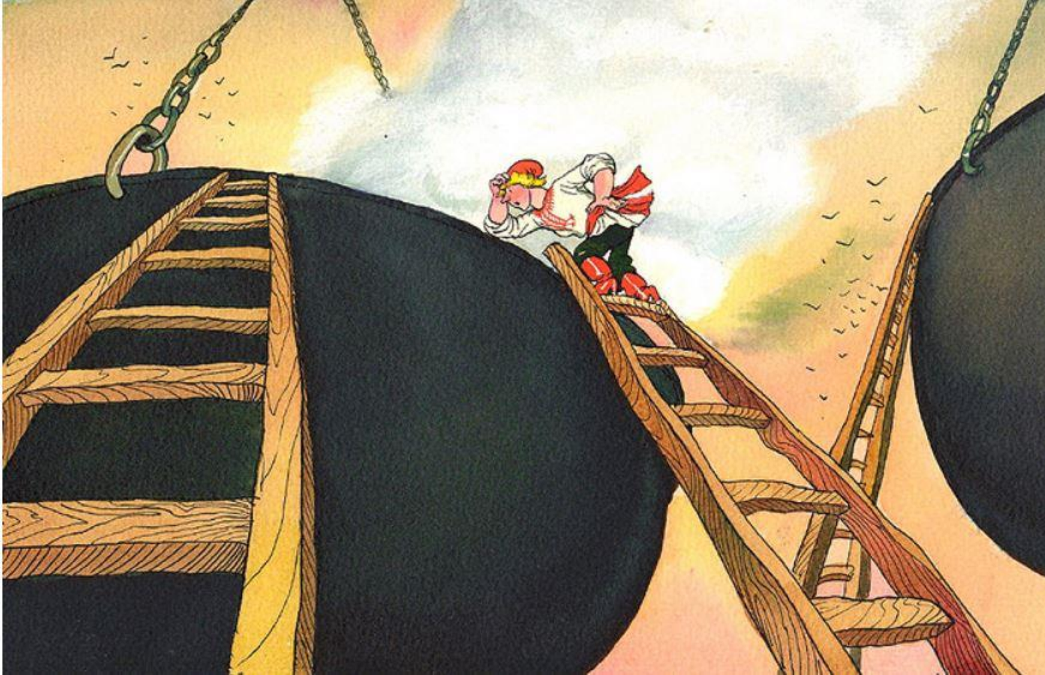
लेकिन जब दूध और पानी उबलने लगा तो ज़ार डर गया और वो अपना कूदने का मन नहीं बना सका. वो कढ़ाई के चारों ओर घूमता रहा, और फिर उसने अपना माथा थपथपाया और कहा:

"मैं क्या सोच रहा हूं! पहले इवान को इनमें कूदने दो - इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ है और यदि सब कुछ ठीक रहा, तो फिर मैं भी गोता लगाऊंगा. और यदि इवान जल गया, तब भी मेरा तो कुछ नहीं बिगड़ेगा. फिर इवान के सभी घोड़े मेरे होंगे, और जैसा कि मैंने उससे वादा किया था, फिर मुझे उसके साथ अपना राज्य भी साझा नहीं करना पड़ेगा."

फिर उसने इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ को बुलाया.

"आप क्या चाहते हैं, महाराज?" इवान ने पूछा. "क्यों, मैंने अभी तक अपनी यात्रा के बाद आराम भी नहीं किया है."

ज़ार ने कहा, "मैं तुम्हें लंबे समय तक नहीं रोकूंगा - बस तुम इन कड़ाहों में डुबकी लगाओ और फिर जाकर आराम करो."



इवान ने कढ़ाई में देखा. दूध और पानी वाले दोनों कड़ाहे उबल रहे थे. वे ज़ोर से उबल रहे थे, और केवल तीसरे में पानी शांत और ठंडा था.

"क्या आप मुझे जिंदा उबालना चाहते हैं, महाराज?" उसने कहा. "क्या यह मेरी वफ़ादार सेवा का इनाम है?"



"ओह, नहीं, इवान. तुम देखोगे अगर एक बूढ़ा आदमी उनमें डुबकी लगाएगा तो वो बीस साल के आदमी जितना युवा और सुंदर बन जाएगा."

"लेकिन मैं बूढ़ा नहीं हूं, महाराज, मुझे और जवान होने की जरूरत ही नहीं है."

ज़ार बहुत गुस्सा हुआ.

"प्यारे, तुम्हारी मुझसे बहस करने की हिम्मत कैसे हुई! तुम हमेशा मुझसे वाद-विवाद करने को तैयार रहते हो! अगर तुम अपनी मर्जी से नहीं कूदोगे तो मैं तुम्हें अंदर फिंकवा दूंगा, मेरे बेटे!"

तभी प्यारी राजकुमारी एल्योना अपने कक्ष से बाहर भागी और, और जब ज़ार उन्हें नहीं देख रहा था, तब उसने इवान के कान में फुसफुसाया:

"सुनहरी आयल वाली घोड़ी और समुद्री-घोड़ों को पहले बताओ कि तुम गोता लगाने जा रहे हो. फिर तुम बिना किसी डर के डुबकी लगा सकोगे."



और फिर राजकुमारी ने ज़ार से कहा:

"मैं यह देखने आई थी कि जैसा मैंने आपसे कहा था, वैसे तैयारी है, या नहीं."

फिर वो कढ़ाई के पास गई और उसने अंदर झांका.

"मैं देख रही हूं कि सब कुछ वैसा ही है जैसा होना चाहिए." राजकुमारी ने कहा, "अब आप जल्दी नहा लें. अब मैं शादी की तैयारी के लिए जा रही हूं."

फिर राजकुमारी अपने कक्ष में चली गई. इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ ने ज़ार की ओर देखा और कहा:

"बहुत अच्छा महाराज, आप जैसा कहेंगे मैं वैसा ही करूंगा. कोई इंसान केवल एक बार ही मर सकता है. लेकिन मुझे एक बार जाने दें और अपनी सुनहरी अयाल वाली घोड़ी को आखिरी बार देखने दें. हो सकता है कि यह आखिरी बार हो जब मैं उसे देखूं."

"बहुत अच्छा, तुम जा सकते हो, लेकिन वहां ज्यादा देर मत रुकना."



फिर इवान जो उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ था, अस्तबल में गया और उसने अपनी घोड़ी और समुद्री-घोड़ों को सब कुछ बताया.

उन्होंने कहा, "जब आप हमें तीन बार खर्राटे लेते हुए सुनें, तभी गोता लगाएं और फिर किसी बात से न डरें."

उसके बाद इवान ज़ार के पास वापस गया.

" महामहिम, मैं अब बिल्कुल तैयार हूं." इवान ने कहा, "मैं तुरंत गोता लगाऊंगा."

तभी घोड़ों ने तीन फुंकारें भरीं और इवान गर्म दूध में छपाक से कूद गया. फिर उसने गर्म पानी में गोता लगाया और अंत में उसने ठंडे पानी में डुबकी लगाई. जब वो तीसरी कड़ाही से बाहर निकला, तब वो भोर के आकाश के समान सुंदर, और अब तक पैदा हुआ सबसे सुंदर युवक दिख रहा था.



ज़ार ने इवान को देखा और इस बार वो बिल्कुल भी नहीं डगमगाया. वो ऊपर मंच पर चढ़ा, और उबलते दूध में कूद गया और तुरंत जिंदा उबलकर मर गया.

प्यारी राजकुमारी एल्योना तेजी से बरामदे से नीचे उतरी और उसने इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़, का हाथ पकड़ लिया और उसकी उंगली में अपनी अंगूठी पहना दी.

फिर वो मुस्कुराई और बोली:

"आप मुझे ज़ार के आदेश से लाए थे, लेकिन ज़ार अब मर चुका है. अब आप जैसा चाहें वैसा कर सकते हैं. यदि आप चाहें, तो मुझे वापस ले जा सकते हैं; और यदि नहीं, तो आप मुझे अपने पास रख सकते हैं."

और इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ ने, राजकुमारी के सफेद हाथ अपने हाथों में लिए और उसे अपनी प्यारी दुल्हन बनाया और अपनी अंगूठी राजकुमारी की उंगली में पहना दी.



इसके बाद इवान ने अपने गाँव में दूत भेजकर अपने माता-पिता और भाइयों को विवाह में बुलाया. और उसके कुछ समय बाद उसके माता-पिता और बत्तीस लड़के - उसके भाई, महल में आकर रहने लगे.

और फिर उनकी शादी हुई और उसके बाद एक भव्य दावत हुई, और इवान - उम्र में कम, और बुद्धि में तेज़ और उसकी प्यारी एल्योना हमेशा खुशी से रहे और उन्होंने इवान में माता-पिता की अच्छी देखभाल की.

अंत